@Kamal.Sandesh KamalSandeshLive kamalsandesh.org kamal.sandesh @KamalSandesh

कमल संदेश

'भारत ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन के माध्यम से दुनिया को भी एकजुट किया'

वर्ष-16, अंक-05 01-15 मार्च, 2021 (पाक्षिक) ₹20

देशसेवा
भाजपा का मिशन

नई दिल्ली में भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक में डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी व पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और साथ में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली में भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

हिमाचल प्रदेश में अपने प्रवास के दौरान एक रोड शो में भाग लेते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

पश्चिम बंगाल में परिवर्तन यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना करने के बाद एक विशाल जनसभा में लोगों का अभिवादन स्वीकार करते केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह

दक्षिण 24 परगना (पश्चिम बंगाल) स्थित नारायणपुर गांव में श्री सुब्रत विश्वास के घर भोजन करते केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह

सलेम में तमिलनाडु प्रदेश भारतीय जनता युवा मोर्चा सम्मेलन को संबोधित करते केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 **'प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में पार्टी का हर कार्यकर्ता संगठन-विस्तार के लिए कार्य करने को तत्पर'**
भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक 21 फरवरी, 2021...

12 **दीनदयालजी के आदर्श को लेकर देश आत्मनिर्भरता के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है: नरेन्द्र मोदी**
एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल...

15 **कार्यकर्ताओं के समग्र प्रयास के कारण ही पार्टी की 18 करोड़ की सदस्यता हुई है: जे.पी. नड्डा**
भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 18 फरवरी 2021...

22 **'हमारे सशस्त्र बल भारत के साहस के प्रतीक हैं'**
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 14 फरवरी को चेन्नई में अनेक प्रमुख परियोजनाओं...

31 **भारतीयता की रक्षा के लिए महाराजा सुहेलदेव के योगदान की अनदेखी की गई: नरेन्द्र मोदी**
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 16 फरवरी...

श्रद्धांजलि

नहीं रहे न्यायमूर्ति एम. रामा जॉयस 19

राष्ट्रपति अभिभाषण

राष्ट्रपतिजी का संबोधन 24
राज्यसभा में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का भाषण 25
लोकसभा में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का भाषण 26

अन्य

भारत में वैश्विक पैमाने पर होगा दूरसंचार विनिर्माण 16
केंद्र ने अक्टूबर, 2020 से राज्यों को जारी किए जीएसटी मुआवजे के एक लाख करोड़ रुपये 17
'जल जीवन मिशन' के तहत 3.5 करोड़ ग्रामीण परिवारों को दिए गए नल जल कनेक्शन 18
गुजरात नगर निकाय चुनावों में भाजपा की शानदार जीत 20
पिछले छह वर्षों में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की क्षमता 13 गुना बढ़ी है: नरेन्द्र मोदी 21
प्रधानमंत्री का पश्चिम बंगाल और असम दौरा 23
'जम्मू-कश्मीर के साथ पूरा देश खड़ा है' 28
गरीबों को हक दिलाने के लिए बंगाल में परिवर्तन जरूरी है: अमित शाह 32
'कोविड महामारी से हमें सहयोग की मूल्यवान भावना प्राप्त हुई' 33
वीएल-एसआरएसएएम मिसाइल प्रणाली का सफल प्रक्षेपण 34

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

दीनदयालजी के पास क्या था, कुछ नहीं था। वे अनिकेत थे, अकिंचन थे, न घर था, न धन था, लेकिन हमारे दिलों में आज भी हैं। ऐसा प्रेरक व्यक्तित्व, ऐसी विरासत हमारे पास जब हो, तो हमें राष्ट्रसेवा के संकल्पों से कोई विचलित नहीं कर सकता।

जगत प्रकाश नड्डा

हमारी सरकार की सभी योजनाएं 'सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास' के मूलमंत्र को चरितार्थ कर रही हैं। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के विचार से पोषित भाजपा 18 करोड़ सदस्य बनाने वाली एकमात्र पार्टी है।

अमित शाह

नए कृषि कानूनों में पुरानी व्यवस्था का कोई भी विकल्प बंद नहीं हुआ है, बल्कि नया विकल्प जुड़ा है। कौन सा विकल्प तय करना है ये हमारे किसानों पर निर्भर है। फिर भी अगर किसी को लगता है कि इसमें कुछ ऐसा है जो किसानों के हित में नहीं है, तो सरकार खुले मन से बातचीत करने के लिए तैयार है।

राजनाथ सिंह

हमारी सशस्त्र सेनाओं द्वारा भारत की सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त तथा प्रभावी प्रतिरक्षा तैनाती की गई है। भारतीय सेनाओं ने सभी चुनौतियों का डटकर सामना किया है तथा अपने शौर्य और बहादुरी का परिचय दिया है।

बी. एल. संतोष

पहले यूडीएफ ने सबरीमाला पर एक कानून लाने का वादा किया और डीएमके के स्टालिन अपने कार्यक्रमों में 'वेल' के साथ नजर आते हैं। अब एलडीएफ के पिनराई विजयन सबरीमाला विवाद से जुड़े मामलों को वापस लेने की बात कर रहे हैं। यह भाजपा के लिए बड़ी जीत है। हमने एजेंडा तय किया। दूसरों ने उसका अनुसरण किया।

नितिन गडकरी

बांस, शहद, कॉयर, खादी जैसे अनेक उत्पाद के माध्यम से किसान और कारीगर देश के आर्थिक विकास में शामिल हो रहे हैं। इन क्लस्टरों के माध्यम से लगभग 42 हजार कारीगरों को रोजगार मिल रहा है।

कमल संदेश परिवार की ओर से
सुधी पाठकों को
महाशिवरात्रि (11 मार्च)
की हार्दिक शुभकामनाएं!

पूरे देश से भाजपा को मिल रहा भरपूर आशीर्वाद

राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक में जहां एक ओर भाजपा राष्ट्रसेवा के संकल्प को और अधिक सुदृढ़ कर रही थी, वहीं दूसरी ओर गुजरात में हुए महानगरपालिका चुनावों में जनता का भरपूर आशीर्वाद भाजपा पर बरस रहा था। जन-समर्थन इतना भारी था कि भाजपा को 85 प्रतिशत से अधिक सीटों पर विजय प्राप्त हुई और सभी छह महानगरपालिकाओं में भाजपा का परचम लहराया। गुजरात के ये चुनाव परिणाम पूरे देश में भाजपा को मिल रहे भारी जनसमर्थन को ही दर्शाते हैं जहां पार्टी पंचायत से पार्लियामेंट तक जनता का विश्वास जीतने में सफल रही है। हाल ही में हुए बिहार चुनाव व देशभर में हुए उपचुनावों में गुजरात से लेकर मणिपुर तक और मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश से लेकर तेलंगाना तक, हैदराबाद महानगर परिषद से लेकर बोडो क्षेत्रीय परिषद तक, कश्मीर जिला विकास परिषद से लेकर लद्दाख पर्वतीय विकास परिषद तक हर जगह कमल ही कमल खिल रहा है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मंत्र को लेकर जनसेवा के प्रति भाजपा के समर्पण को पूरे देश में जनाशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। जनता भाजपा को बार-बार और पहले से भी अधिक आशीर्वाद दे रही है।

आज, जब भारत कई देशों के लिए आशा की किरण बनकर उभरा है, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी एवं प्रेरक नेतृत्व की पूरे विश्व में प्रशंसा हो रही है। एक ओर जहां देश के अंदर भोजन, रोजगार एवं स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाला विश्व का सबसे बड़ा राहत कार्य चलाया गया, वहीं दूसरी ओर चिकित्सक, दवाइयां, चिकित्सकीय उपकरण और यहां तक कि एक पूरी लैब भेजकर दूसरे देशों को उनके संकट के काल में सहायता की गई। आज जब 150 से अधिक देशों में 'मेड इन इंडिया' टीका पहुंच रहा है, 'सर्वे भवंतु सुखिनः, सर्वे संतु निरामयाः' का भारतीय उद्घोष पूरे विश्व में गुंजायमान हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता कि एक 'आत्मनिर्भर भारत' निरंतर विश्व कल्याण को समर्पित होगा, आज साकार होता दिखाई दे रहा है।

यह हर भाजपा कार्यकर्ता का दायित्व है कि वे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा का संदेश जन-जन तक लेकर जाएं

चुनौतियों को अवसर में बदलने का प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान से हर कोई न केवल स्वयं के व्यक्तिगत एवं सामूहिक सामर्थ्य के पूर्ण उपयोग के लिए प्रेरित हुआ, बल्कि साथ ही इससे महामारी के दौर में पूरे राष्ट्र का मनोबल बहुत ही ऊंचा हुआ। 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्यों को प्राप्त करने के आह्वान से लगभग हर क्षेत्र में देश के सामर्थ्य का प्रस्फुटीकरण शुरू हुआ है। जैसाकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत' पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था के लिए एक 'फोर्स मल्टीप्लायर' साबित होगा, इसमें कोई संदेह नहीं कि बजट 2021 'वी-शेप' रिकवरी के साथ 'डबल डिजिट' विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा। वैश्विक महामारी के दौर में भारत में लगभग हर क्षेत्र में किए गए व्यापक सुधारों से देश की पूरी अर्थव्यवस्था का कायाकल्प हो रहा है तथा अब भारत 'पोस्ट-कोविड' विश्व में एक लंबी छलांग को पूरी तरह से तैयार है।

कोविड महामारी ने जिस प्रकार की चुनौतियां पूरे राष्ट्र के सामने रखी थी वे न केवल कठिन दिखती थीं, बल्कि कई बार उन पर विजय प्राप्त करना असंभव सा प्रतीत होता था। यह 'अंत्योदय' की अवधारणा पर अटूट विश्वास, सकारात्मक एवं संवेदनशील विचार ही थे कि नए तरीके अपनाकर कई नए अवसरों का निर्माण किया गया। आज जब पूरे विश्व में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना हो रही है, देश के अंदर जनता हर चुनाव में भाजपा पर अपना प्यार और आशीर्वाद बरसा रही है। आज जब पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों का शंखनाद हो रहा है, जनता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा के समर्थन में हर ओर भारी संख्या में उमड़ती दिख रही है। जिन प्रदेशों में भाजपा की सरकार है, वहां तो जनता उनके जबरदस्त विकास कार्यों के लिए पुनः चुनने को आतुर तो है ही, जिन प्रदेशों में भाजपा सरकार नहीं है, वहां भी जनता भाजपा सरकार की राह देख रही है। यह हर भाजपा कार्यकर्ता का दायित्व है कि वे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा का संदेश जन-जन तक लेकर जाएं और जिन प्रदेशों में भाजपा सरकार नहीं है वहां भी भाजपा सरकार लाकर जनता के स्वप्नों को साकार करें। भाजपा कार्यकर्ताओं ने पहले भी यह कार्य सफलतापूर्वक किया है और इसमें कोई शंका नहीं कि वे पुनः यह कार्य करने में सफल होंगे। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

'प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में पार्टी का हर कार्यकर्ता संगठन-विस्तार के लिए कार्य करने को तत्पर'

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक 21 फरवरी, 2021 को एनडीएमसी सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित हुई। इस बैठक का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया एवं अध्यक्षता भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने की। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारी, प्रदेशों के प्रभारी, सभी मोर्चों के राष्ट्रीय अध्यक्ष, सभी प्रदेशों के प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) ने भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ शुरू हुआ। इसके पश्चात् राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' का गान हुआ। पुनः कोविड-19 महामारी के कारण जो बहुत सारे लोग हमारे बीच नहीं रहे, उनके असामयिक निधन पर शोक व्यक्त किया गया। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का, जबकि एससी मोर्चा के अध्यक्ष श्री लाल सिंह आर्य ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा का स्वागत किया। उद्घाटन सत्र में पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का मार्गदर्शन मिला। उद्घाटन सत्र को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने भी संबोधित किया। बैठक में एक राजनीतिक प्रस्ताव भी पारित किया गया। पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री श्री रमण सिंह ने बैठक में राजनीतिक प्रस्ताव प्रस्तुत किया जबकि हरियाणा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश धनखड़ ने इसका समर्थन किया। इसके पश्चात् बैठक में उपस्थित सभी पार्टी पदाधिकारियों ने इस प्रस्ताव का एकस्वर में समर्थन किया।

राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक में पारित राजनीतिक प्रस्ताव में सजग, संवेदनशील, संकल्पवान, यशस्वी एवं दूरदर्शी प्रधानमंत्री के रूप में श्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया गया। राजनीतिक प्रस्ताव में वैश्विक महामारी कोरोना के संक्रमण के दौरान देश को कोविड-19 के खिलाफ निर्णायक लड़ाई के लिए तैयार करने और 'वसुधैव कुटुम्बकम' की नीति को चरितार्थ करते हुए पूरी दुनिया का मार्गदर्शन करने के लिए प्रधानमंत्री मोदीजी के प्रति आभार प्रकट किया गया। प्रस्ताव में इस बात को रेखांकित किया गया कि किस तरह कोरोना संकट काल में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने न केवल देश के लगभग 80 करोड़ गरीब लोगों की चिंता की, बल्कि कई आर्थिक पैकेज और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के माध्यम से देश के अर्थचक्र को भी गति दी। श्री मोदी ने एक ओर देश के लगभग 80 करोड़ लोगों के लिए लगभग 8 महीनों तक के लिए

मुफ्त राशन की व्यवस्था की तो वहीं दूसरी ओर प्रवासी मजदूरों के लिए रोजगार अभियान की भी शुरुआत की। कोविड लॉकडाउन के दौरान गरीब कल्याण पैकेज के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया कि देश में कोई भी व्यक्ति भूखा न सोने पाए। इस दौरान प्रत्येक 20 करोड़ महिला जन-धन खाताधारक के एकाउंट में तीन किस्तों में 1,500 रुपये डाले गए तो बुजुर्ग, विधवाओं एवं दिव्यांगों को भी 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी गई। साथ ही, देश के लगभग 8 करोड़ से अधिक किसानों के एकाउंट में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की दो किस्तें भी हस्तांतरित की गईं। लगभग 8 करोड़ से अधिक गरीब महिलाओं को तीन मुफ्त गैस सिलिंडर भी उपलब्ध कराये गए।

राजनीतिक प्रस्ताव में किसानों की भलाई के लिए कृषि सुधार कानूनों को संसद से पारित किये जाने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का धन्यवाद किया गया और कहा गया कि ये कृषि सुधार न केवल किसानों की आय को बढ़ाने में मददगार साबित होंगे बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने में भी मदद करेंगे। प्रस्ताव में आत्मनिर्भर भारत अभियान, वोकल फॉर लोकल, मेडिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में व्यापक उपलब्धि, बैंकों का विलय, श्रम कानूनों का क्रियान्वयन, स्वामित्व योजना, बजट से जुड़ी घोषणाओं और कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए एक लाख करोड़ रुपये के आवंटन को भी विस्तार से रेखांकित किया गया। राजनीतिक प्रस्ताव में विश्व के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विशेष रूप से धन्यवाद किया गया। केवल 34 दिनों में भारत ने लगभग एक करोड़ से अधिक लोगों का टीकाकरण कर एक विश्व रिकॉर्ड कायम किया है। इतना ही नहीं, भारत ने संकट की इस घड़ी में दुनिया के अनेक देशों को वैक्सीन मुहैया कर मानवता की सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है जिसकी पूरी दुनिया में व्यापक सराहना हो रही है। भारतीय जनता पार्टी अपने प्रधानमंत्री और सर्वोच्च नेता श्री नरेन्द्र मोदी का हार्दिक अभिनंदन करती है। राजनीतिक प्रस्ताव में सफल और दूरदर्शी विदेश नीति के लिए भी प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रति आभार प्रकट किया गया है।

राजनीतिक प्रस्ताव में विगत एक वर्ष के दौरान भारतीय जनता पार्टी को देश के कोने-कोने से मिले समर्थन के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का हार्दिक अभिनंदन किया गया और देश की जनता के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया। प्रस्ताव में बिहार विधानसभा चुनावों में मिली जीत और जम्मू-कश्मीर में हुए डीडीसी चुनावों एवं लद्दाख हिल डेवलपमेंट काउंसिल के चुनाव में लोकतंत्र की जीत और भाजपा के शानदार प्रदर्शन को रेखांकित किया गया। इसके साथ ही राजस्थान, अरुणाचल प्रदेश, गोवा के स्थानीय निकाय चुनाव से लेकर बोडो टेरिटोरियल काउंसिल और ग्रेट हैदराबाद म्युनिसिपल काउंसिल तक के चुनावों में भाजपा को मिले ऐतिहासिक जनादेश पर भी जनता का धन्यवाद किया गया। गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, मणिपुर और कर्नाटक के विधान सभा उप-चुनावों में भाजपा को मिली शानदार सफलता के लिए भी राज्य की जनता के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की गई और प्रधानमंत्री श्री मोदी का अभिनंदन किया गया।

कार्यकर्ताओं को 'नेशन फर्स्ट' के लिए काम करते रहना चाहिए

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन और पार्टी का मिशन केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं बल्कि हमेशा देश को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि देश को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से संगठन को भी उसी हिसाब से अपनी गुणवत्ता का विकास करना चाहिए। श्री मोदी ने कहा कि "सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास"— यही भारतीय जनता पार्टी का मूल मंत्र है। इसी मूलमंत्र को आधार मानकर भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार और राज्य सरकारें देशभर में सकारात्मक कार्य कर रही हैं चाहे जीएसटी सुधार का विषय हो, कृषि सुधार का विषय हो या फ्रेट कॉरिडोर का विषय हो। श्री मोदी ने कहा कि आज देश में विकास के लिए एक सकारात्मक माहौल है, इसलिए देश के विकास के लिए पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को आगे बढ़कर संगठन का विस्तार करते हुए 'नेशन फर्स्ट' के लिए काम करते रहना चाहिए। ■

राजनीतिक प्रस्ताव में यह विश्वास व्यक्त किया गया कि आने वाले विधान सभा चुनावों में भाजपा पश्चिम बंगाल में चुनाव जीतेगी क्योंकि पश्चिम बंगाल की जनता तृणमूल सरकार के भ्रष्टाचार, अराजकता और गरीब विरोधी नीतियों के कारण त्रस्त है। पार्टी का यह स्पष्ट मानना है कि भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल में 200 से अधिक सीटों पर निर्णायक जीत के साथ प्रदेश में सरकार बनाने जा रही है। प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि असम में भी पिछले पांच वर्षों में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार ने लोगों की भलाई के और प्रदेश के विकास के लिए कई ऐतिहासिक कार्य किये हैं। अतः असम में भारतीय जनता पार्टी एक बार फिर पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने जा रही है। पुदुच्चेरी में भी भाजपा के समर्थन में वृद्धि हुई है और निश्चित रूप से इस बार वहां पर एनडीए की सरकार बनने जा रही है। तमिलनाडु में भी एआईएडीएमके-भाजपा गठबंधन को जनता का आशीर्वाद मिलेगा। केरल में भी भाजपा अपने जनाधार में वृद्धि करेगी और तीसरे प्रमुख स्तंभ के रूप में उभरेगी, ऐसा विश्वास हमने आज के राजनीतिक प्रस्ताव में व्यक्त किया है।

इस बैठक में पांच राज्यों पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, पुदुच्चेरी और असम में होने वाले आसन्न विधान सभा चुनावों पर भी चर्चा हुई और इस संदर्भ में पार्टी की संबंधित राज्य इकाइयों ने अपनी-अपनी रिपोर्ट्स भी सौंपी। बैठक में पार्टी की सांगठनिक रचना और पार्टी के आगामी कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई।

इस बैठक में कृषि सुधारों, आत्मनिर्भर भारत अभियान, पांच राज्यों में होने वाले विधान सभा चुनाव और पार्टी की संगठनात्मक कार्यों पर चर्चा की गई। बैठक में हिमाचल प्रदेश में विस्तारक योजना और कर्नाटक में कार्यकर्ताओं को नए तरीके से नए कार्यक्रमों के माध्यम से पार्टी को मंडल स्तर तक बढ़ाने की योजना पर भी चर्चा की गई।

मीडिया को बैठक के उद्घाटन सत्र की जानकारी भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद (राज्य सभा) श्री अरुण सिंह ने जबकि द्वितीय सत्र की जानकारी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमण सिंह ने प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से दी। बैठक के समापन सत्र के पश्चात् पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद (राज्य सभा) श्री भूपेंद्र यादव ने प्रेस कांफ्रेंस कर बैठक के बारे में विस्तार से चर्चा की।

पार्टी ने जो अभियान हाथ में लिए हैं, उन सभी कार्यक्रमों को पार्टी 6 अप्रैल स्थापना दिवस के दिन करेगी। 14 अप्रैल को बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर पार्टी इस संदेश को हर बूथ और मंडल तक लेकर जाएगी। पार्टी की राष्ट्रीय बैठक में जिन विषयों को लेकर चर्चा हुई और आने वाले कार्यक्रमों की रूप-रेखा बनी, उस पर आने वाले 15 दिनों में प्रदेश स्तर, जिला स्तर और मंडल स्तर पर चर्चा की जायेगी और कार्य योजना बनेगी। ■

'आत्मनिर्भर भारत' के लिए देश भर में व्यापक अभियान चलायें

राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक के समापन सत्र को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं का ऊर्जा के साथ संगठन के कार्य को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। श्री नड्डा ने पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत' के लिए देश भर में व्यापक अभियान चलायें जिसके अंतर्गत वे वोकल फॉर लोकल, स्वदेशी उत्पाद को बढ़ाने का संकल्प लें। पार्टी कार्यकर्ता युवाओं में स्टार्टअप के लिए जागरूकता अभियान चलायें और फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाईजेशन (एफपीओ) के बारे में किसानों को जागरुक करते हुए उन्हें सहयोग दें। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि पार्टी आदिवासी क्षेत्रों में लोगों की आजीविका को बढ़ाने के विषय को भी एक अभियान के रूप में अपने हाथ में लेने वाली है। पार्टी कार्यकर्ता इसे भी एक मिशन मोड में आगे बढ़ायें। मोदी सरकार द्वारा पोषण का एक महत्वपूर्ण अभियान चलाया जा रहा है, इस अभियान को भी सफल बनाने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं विशेष रूप से हमारे महिला मोर्चा के कार्यकर्ताओं को नीचे तक सक्रियता बढ़ाते हुए कार्य करना चाहिए। ■

'आत्मनिर्भर भारत' बनाने के संकल्प का समर्थन

गत 21 फरवरी, 2021 को एनडीएमसी सेंटर, नई दिल्ली में संपन्न भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री श्री रमण सिंह ने राजनीतिक प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जबकि हरियाणा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश धनखड़ ने इसका समर्थन किया। इसके पश्चात् बैठक में उपस्थित सभी पार्टी पदाधिकारियों ने इस प्रस्ताव का एकस्वर में समर्थन किया। प्रस्तुत है प्रस्ताव का सारांश:

कोविड काल के दौरान डिजिटल माध्यम से पार्टी ने पूरी सक्रियता के साथ राष्ट्रीय, प्रदेश एवं जिला इकाई तक बैठकों व संवाद के क्रम को जारी रखा। आज एक साल बाद जब भाजपा प्रत्यक्ष रूप में अपनी राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक कर रही है, तब गौरवानुभूति के साथ यह कह सकती है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सजग, संवेदनशील, संकल्पवान, यशस्वी व दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने न सिर्फ कोविड की इस चुनौती को हराया है, बल्कि देशवासियों के मन में 'आत्मनिर्भर भारत' बनने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ने का आत्मविश्वास भी जागृत किया है। कोविड की वैश्विक चुनौती के खिलाफ लड़ाई में दुनिया को गौरवशाली और विजेता भारत से परिचित कराने के लिए भारतीय जनता पार्टी मुक्त स्वर में अपने नेतृत्व का अभिनंदन करती है।

कोविड प्रबंधन: जनभागीदारी व मानवता की मिसाल

कोरोना के दौरान मोदी सरकार ने 'मिनी बजट्स' के तौर पर जरुरी कदम उठाये, जिसका असर है कि फौरी तौर पर इन तमाम चुनौतियों से देश खुद को बाहर निकाल सका। पार्टी बधाई देती है अपने नेतृत्व को कि लॉकडाउन की घोषणा के 48 घंटे में 2.76 लाख करोड़ के 'गरीब कल्याण योजना' की घोषणा केंद्र सरकार द्वारा की गयी। इस योजना के तहत देश के 80 करोड़ लोगों को पूरे कोविड काल में अनाज और दाल मुफ्त दिया गया। 8 करोड़ परिवारों को तीन गैस सिलिंडर मुफ्त उपलब्ध कराये गए, तो वहीं 20 करोड़ महिला जन-धन खाता धारकों के खाते में 500-500 रुपये की तीन किस्तें सीधे भेजी गईं। दिव्यांगों, विधवाओं और बुजुर्गों को लॉकडाउन के दौरान 1000 रुपये की आर्थिक सहायता दी गई तो किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की दो किस्तें दी गईं। जून 2020 में प्रवासी मजदूरों के रोजगार के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण रोजगार योजना शुरू की गयी। एक लाख करोड़ रुपये कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए अलग से रखे गए।

दूसरी तरफ अचानक पैदा हुई स्वास्थ्य उपकरणों की जरूरतों, पीपीई किट्स, टेस्टिंग किट्स, मास्क, ऑक्सीजन सिलिंडर, वेंटिलेटर आदि की उपलब्धता की भी कभी कमी महसूस नहीं हुई। आज हमारी टेस्टिंग फैसिलिटी 15 लाख प्रतिदिन पहुंच गई है। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की कार्यशैली की दुनिया ने सराहना की।

एकतरफ कोरोना काल में जब पूरा देश एकजुट होकर पूरे अपने नेतृत्व के साथ इस लड़ाई को लड़ रहा था, तब कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी दलों की भूमिका अत्यंत असंवेदनशील और निराशाजनक रही। इस कठिन दौर में भय और हताशा पैदा करने वाले निराधार दुष्प्रचारों का सहारा लेने के प्रयास अनेक बार कांग्रेस द्वारा किये गये। नेतृत्व पर बेबुनियाद सवाल खड़े करने के प्रयास किये गये। लेकिन देश की जागरूक जनता ने विपक्ष के भ्रामक अपप्रचारों पर भरोसा नहीं किया और पूरी एकजुटता के साथ सरकार के निर्णयों के साथ खड़ी रही।

सामूहिकता की भावना, नेतृत्व पर विश्वास

एक सौ तीस करोड़ देशवासियों को इस कठिन दौर में उनके संयम, सहयोग, समर्पण तथा अपने नेतृत्व के निर्णय में विश्वास जताते हुए चुनौती से लड़ने का अभूतपूर्व साहस दिखाने के लिए पार्टी बार-बार अभिनन्दन करती है। मोदी जी के नेतृत्व तथा उनके निर्णयों पर देश ने जिस एकजुटता तथा सामूहिकता का परिचय दिया, उसकी जितनी सराहना की जाए उतनी कम है। इस कठिन दौर ने सिद्ध किया है कि आज देश के आम जन मानस के मन में यही भावना है कि उनके पास श्री नरेन्द्र मोदी के रूप में हर पल, हर घड़ी, हर चुनौती में तत्परता से खड़ा रहने वाले भरोसेमंद नेतृत्व है।

सेवा का संकल्प

कोरोना के कठिन हालातों में जब देश के सामने मानवता की सेवा का अवसर आया तब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सात 'स' का मंत्र देते हुए 'सेवा ही संगठन' की प्रेरणा दी। इसी प्रेरणा के साथ पार्टी के लाखों कर्मठ कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के कुशल सांगठनिक दिशानिर्देश में पूरे देश में सवा की अद्भुत मिसाल पेश की। सात 'स', 1- सेवाभाव,

2-संतुलन, 3-संयम, 4-समन्वय, 5-सकारात्मकता, 6-सद्भावना, 7- संवाद, ये वो मंत्र थे जिनको लेकर भाजपा कार्यकर्ता निःस्वार्थ भाव से जरूरतमंद तक पहुंच रहे थे। देश के हर क्षेत्र व हर वर्ग के बीच भाजपा कार्यकर्ता सेवा का संकल्प लेकर गये। 4 जुलाई तक देश भर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'सेवा ही संगठन' के तहत 22 करोड़ से अधिक लोगों को भोजन, 4.5 करोड़ से अधिक फेस मास्क का निर्माण व वितरण किया। 5 लाख 40 हज़ार से अधिक कार्यकर्ता बुजुर्गों की सेवा में समर्पित रहे। पार्टी सेवा का संकल्प लेकर निरंतर जुटे रहने वाले उन लाखों संगठनसेवी कार्यकर्ताओं का पुरजोर अभिनंदन करती है, जिन्होंने अपने नेतृत्व के सात सूत्रों की प्रेरणा को नीचे तक पहुंचाने का प्रयास किया।

'आत्मनिर्भर भारत' का मंत्र

आत्मनिर्भर भारत का संकल्प रखकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने महामारी से निकले भारत की आत्मशक्ति को नए लक्ष्य दिए हैं। मई, 2020 में एक बड़े पैकेज की बात जरूर की जा रही थी। लेकिन यह पैकेज 20 लाख करोड़ का होगा, इसका अनुमान तब किसी को नहीं था। प्रधानमंत्री जी की अपील का असर है कि 'वोकल फॉर लोकल' भावना देश में बढ़ी है।

विजय का 'टीका'

आज कोरोना को पूरी तरह से मात देकर आगे बढ़ने की दिशा में देश चल रहा है। यह इसलिए संभव हुआ क्योंकि प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में देश के चिकित्सा क्षेत्र के वैज्ञानिकों की अथक मेहनत की बदौलत देश ने दो-दो भारत में निर्मित वैक्सीन बनाने में कामयाबी हासिल की। इस सफलता के लिए पार्टी अपने यशस्वी नेतृत्व तथा वैक्सीन निर्माण में जुटे सभी वैज्ञानिकों, कर्मियों तथा विशेषज्ञों का करतल ध्वनि के साथ अभिनंदन करती है। प्रधानमंत्री जी द्वारा 16 जनवरी को शुरू किये गये दुनिया का सबसे बड़े टीकाकरण अभियान देश में चल रहा है। भारत की कोविड वैक्सीन की मांग दुनिया के अनेक देशों में हो रही है। आज का भारत दुनिया में वैक्सीन निर्यातक बनकर नयी मजबूती के साथ उभरा है। यह 'आत्मनिर्भर भारत' की क्षमता का परिचायक है। टीकाकरण के लिए बजट 2021-22 में सरकार द्वारा बाकायदे 35000 करोड़ रुपये का प्रावधान भी रखा गया है। इस सुव्यवस्थित टीकाकरण अभियान के लिए प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में सरकार के योजनाबद्ध प्रयास सराहनीय व बधाई के योग्य हैं।

दृढ़ इच्छाशक्ति से सुधारवादी कदम

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में अनेक विधायी सुधार हुए हैं:

1. श्रम कानूनों में सुधार:

श्रम कानूनों में सुधार से जुड़े तीनों विधेयकों को पारित कराने के लिए पार्टी केंद्र की मोदी सरकार को बधाई देती है। इन सुधारों से भारत में निवेश तथा रोजगार के नए अवसरों को बढ़ावा मिलेगा।

2. कृषि सुधार- किसान कल्याण:

किसानों का हित हो, उनकी उपज का उन्हें वाजिब मूल्य मिले, उनकी आय दोगुनी हो तथा उन्हें अपनी उपज को अपनी शर्तों पर कहीं भी बेचने की स्वतंत्रता मिले, इसके लिए केंद्र की मोदी सरकार द्वारा 3 कृषि कानून लाये गये। पार्टी किसान हितैषी इन कानूनों के लिए प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का अभिनंदन करती है। इस कृषि कानून को लेकर कांग्रेस तथा कुछ अन्य राजनीतिक दलों सहित कुछ लोगों द्वारा किसानों को दिग्भ्रमित करने की कोशिश की जा रही है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि कभी इन्हीं कृषि सुधारों की बात करने वाली कांग्रेस और उसके सहयोगी अब केवल और केवल अपने राजनीतिक अवसर के लिए देश के किसानों को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं। यही कारण है कि बार-बार चर्चा की बात करने वाली कांग्रेस अभी तक यह नहीं बता पाई है कि कृषि कानूनों में वो कौन से बिंदु हैं, जिनसे वे असहमत हैं।

3. स्वामित्व योजना:

यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक महत्वाकांक्षी योजना है जिसके तहत गांवों के लोगों की आवासीय संपत्ति के अभिलेख में पूरा ब्योरा दर्ज किया जा रहा है।

4. नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति:

भारत की शिक्षा प्रणाली में बहुप्रतीक्षित परिवर्तनों को अमल में लाते हुए मोदी सरकार ने 29 जुलाई, 2020 को एक नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को मंजूरी दी। यह नीति स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों प्री-स्कूल से माध्यमिक स्तर तक सबके लिए एक समान पहुंच सुनिश्चित करने पर जोर देती है। पार्टी सरकार द्वारा शिक्षा सुधार के क्षेत्र में उठाये इस कदम का स्वागत करती है।

सर्वस्पर्शी समावेशी बजट

बजट 2021-22 में देश की स्वास्थ्य अवसंरचना को नए ढंग से समझने और उसके लिए भविष्य के चुनौतियों के अनुरूप आधारभूत ढांचा तैयार करने का संकल्प है। यह बजट किसानों की आय को दोगुना करने तथा उनकी उपज की लागत का डेढ़ गुना एमएसपी सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को अभिव्यक्त करता है।

इस बजट में आधारभूत संरचना के विकास से रोजगार सृजन तथा प्रगति की नई ऊंचाइयों को छूने की कटिबद्धता है। यह बजट रक्षा से सुरक्षा तथा आर्थिक बुनियाद की मजबूती को सुनिश्चित करने वाला है। बजट में बुजुर्गों के प्रति संवेदनशीलता है तो महिलाओं के उत्थान के पुख्ता प्रावधान हैं। बजट में युवाओं के लिए नए अवसर खोलने की इच्छाशक्ति नजर आती है। बजट में अनुसूचित जाति/जनजाति के कल्याण तथा उनके शैक्षणिक उत्थान की भावना स्पष्ट नजर आती है। देश में सड़कों का विस्तार बढ़े, शिक्षा की पहुंच हर वर्ग तक हो, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिले तथा जन-जीवन व परिवहन यातायात सुगम हो, इन सभी लक्ष्यों को यह बजट समाहित करता है।

सार्वजनिक क्षेत्र के 10 बैंकों का विलय:

देशहित में सुधारों के प्रति कटिबद्ध मोदी सरकार ने देश 10 बैंकों का विलय कर चार बड़े बैंक बनाने का निर्णय किया। पार्टी सरकार के इस सुधारवादी कदम की सराहना करती है।

सबल राष्ट्र, स्पष्ट नीति

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अपनी वैश्विक नीति में उसी कथन को चरितार्थ किया है कि- भारत न किसी से आंख झुकाकर बात करेगा, न आंख उठाकर बात करेगा बल्कि आंख मिलाकर बात करेगा। चीन के साथ पैदा हुई स्थिति पर भारत का दृष्टिकोण स्पष्ट रहा है। भारत अपनी सीमा पर किसी की भी विस्तारवादी नीति को सफल नहीं होने दे सकता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने हर अवसर पर इसे साबित किया है।

जनादेश की कसौटी पर खरी सरकार

कोरोना के बीच बिहार में विधानसभा चुनाव हुए। चुनाव परिणाम पूरी तरह से एनडीए के पक्ष में रहे। बिहार में भारतीय जनता पार्टी को जनता का ऐतिहासिक आशीर्वाद मिला। पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। तमाम नकारात्मक आशंकाओं को धता बताकर जिस ढंग से बिहार ने एनडीए को जीत का जनादेश दिया, वह भाजपा के प्रति जनता के बढ़ते अगाध भरोसे का प्रतीक है। बिहार विधानसभा चुनाव में कुल 243 सीटों में से एनडीए को 125 सीटें मिलीं।

वहीं जम्मू-कश्मीर में ऐतिहासिक तौर पर अनुच्छेद 370 हटने के बाद हुए पहले स्थानीय चुनाव में असली जीत जम्हूरियत की हुई है। प्रदेश में पहली बार हुए जिला विकास परिषद के चुनाव में जम्मू-कश्मीर की अवाम ने कई मिथक तोड़ दिए हैं। कश्मीर में आतंकियों एवं अलगाववादियों को दरकिनार कर लोगों ने बेखौफ होकर लोकतंत्र में अपना भरोसा जताया है। जिला विकास परिषद चुनाव के साथ ही जम्मू-कश्मीर में त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था लागू हो गई है। हैदराबाद के निकाय चुनावों में भी भारतीय जनता पार्टी को जिस ढंग से अभूतपूर्व समर्थन मिला है, वह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के कोने-कोने में बढ़ते भरोसे को दर्शाता है।

आगामी चुनावों में विजय का संकल्प

वर्ष 2021 में कई राज्यों में चुनाव होने हैं। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुदुचेरी में विधानसभा के चुनाव आसन्न हैं। इस बार पश्चिम बंगाल की जनता का अपार समर्थन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को मिल रहा है। पश्चिम बंगाल की जनता प्रदेश की अलोकतांत्रिक, दमनकारी, तुष्टिकरण को पनाह देने वाली तृणमूल सरकार से त्रस्त हो चुकी है। पश्चिम बंगाल एक नयी इबारत लिखने जा रहा है। भाजपा पश्चिम बंगाल में विजय के विश्वास के साथ चुनाव में जा रही है।

वहीं असम में पिछले पांच वर्षों में केंद्र और राज्य की एनडीए सरकारों के बीच समन्वयपरक नीति की वजह से विकास की गति तेज हुई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में नार्थ-ईस्ट के राज्यों को लेकर देश की दृष्टि बदली है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश के उन राज्यों तथा क्षेत्रों में भी भाजपा का जनाधार बढ़ा और सांगठनिक विस्तार हुआ है, जहां भाजपा के आधार को कम माना जाता था। तमिलनाडु और केरल में भाजपा ने अपने संगठन के आधार को और मजबूत किया है। तमिलनाडु में पार्टी एनडीए के अपने सहयोगी दल के साथ चुनाव में है। केरल में भी पार्टी ने अपनी सदस्यता को बढ़ाया है।

पुदुचेरी का चुनाव भी हमारे लिए समान महत्व का है। पुदुचेरी में कांग्रेस की जनविरोधी सरकार को हटाकर नयी एनडीए सरकार का विकल्प जनता देख रही है।

आगामी अप्रैल महीने में पार्टी कार्यकर्ता, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), पोषण अभियान तथा बंधन योजना के माध्यम से देश के सुदूरवर्ती क्षेत्रों तक लोगों को जोड़ने का अभियान चलाएंगे।

अंत में भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' बनाने के संकल्प को मुक्त कंठ से समर्थन देते हुए उनके अथक व अनवरत प्रयासों के लिए एक बार फिर सराहना करती है। उनके यशस्वी नेतृत्व में नए दशक का भारत विश्व पटल पर नयी पहचान के साथ एक मजबूत शक्ति बनकर खड़ा होगा, यह दृढ़ विश्वास है। ■

दीनदयालजी के आदर्श को लेकर देश आत्मनिर्भरता के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है: नरेन्द्र मोदी

एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि 'समर्पण दिवस' पर 11 फरवरी, 2021 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली के अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और उनसे पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के आदर्शों एवं उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

श्री मोदी ने कहा कि हम जैसे-जैसे दीनदयाल जी के बारे में सोचते हैं, बोलते हैं, सुनते हैं, हर बार उनके विचारों में हमें एक नवीनता का अनुभव होता है। 'एकात्म मानव दर्शन'का उनका विचार मानव मात्र के लिए था। इसलिए जहां भी मानवता की सेवा का प्रश्न होगा, मानवता के कल्याण की बात होगी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के एकात्म मानव दर्शन का सिद्धांत सदैव प्रासंगिक रहेगा। हमारे यहां कहा जाता है कि "स्वदेशे पूज्यते राजा, विद्वान सर्वत्र पूज्यते" अर्थात्, सत्ता की ताकत से आपको सीमित सम्मान ही मिल सकता है। जहां सत्ता की ताकत प्रभावी होगी वहीं सम्मान मिलेगा लेकिन विद्वान का सम्मान हर जगह होता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी इस विचार के साक्षात उदाहरण हैं।

- **हम जैसे-जैसे दीनदयाल जी के बारे में सोचते हैं, बोलते हैं, सुनते हैं, हर बार उनके विचारों में हमें एक नवीनता का अनुभव होता है**

श्री मोदी ने कहा कि एक ओर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी भारतीय राजनीति में एक नए विचार को लेकर आगे बढ़ रहे थे, वहीं दूसरी ओर, वे हर एक पार्टी, हर एक विचारधारा के नेताओं के साथ भी उतने ही सहज रहते थे। हर किसी से उनके आत्मीय संबंध थे। सामाजिक जीवन में एक नेता को कैसा होना चाहिए, भारत के लोकतंत्र और मूल्यों को कैसे जीना चाहिए, पंडित दीनदयाल जी इसके भी बहुत बड़े उदाहरण हैं। हमारे शास्त्रों में कहा गया है- 'स्वदेशो भुवनम् त्रयम्' अर्थात्, अपना देश ही हमारे लिए सब कुछ है, तीनों लोकों के बराबर है। जब हमारा देश समर्थ होगा, तभी तो हम दुनिया की सेवा कर पाएंगे। एकात्म मानव दर्शन को सार्थक कर पाएंगे। पंडित दीनदयाल जी भी यही कहते थे। उन्होंने लिखा है—"एक सबल राष्ट्र ही विश्व को योगदान दे सकता है।" यही संकल्प आज 'आत्मनिर्भर भारत' की मूल अवधारणा है। इसी आदर्श को लेकर ही देश आत्मनिर्भरता के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि कोरोना काल में देश ने अंत्योदय की भावना को सामने रखा और अंतिम पायदान पर खड़े हर गरीब की चिंता की। आत्मनिर्भरता की शक्ति से देश ने एकात्म मानव

दर्शन को भी सिद्ध किया, पूरी दुनिया को दवाएं पहुंचाई और आज हम वैक्सीन पहुंचा रहे हैं। पंडित दीनदयाल जी के इस विज़न को लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए भारत आगे बढ़ रहा है। आज भारत में डिफेंस कॉरिडॉर बन रहे हैं, स्वदेशी हथियार बन रहे हैं और तेजस जैसे फाइटर जेट्स भी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि 1965 में भारत-पाक युद्ध के दौरान भारत को विदेशों से हथियारों पर निर्भर होना पड़ा था। पंडित दीनदयाल जी कहते थे कि हमें सिर्फ खाद्यान्न में ही नहीं बल्कि हथियार और विचार के क्षेत्र में भी भारत को आत्मनिर्भर बनाना होगा। हथियार के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता से अगर भारत की ताकत और भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है तो विचार की आत्मनिर्भरता से भारत आज दुनिया के कई क्षेत्रों में नेतृत्व दे रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि आज भारत की विदेश नीति दबाव और प्रभाव से मुक्त होकर, राष्ट्र प्रथम के नियम से चल रही है। लोकल इकॉनमी पर पंडित दीनदयाल जी का विज़न इस बात का प्रमाण है कि उस दौर में भी उनकी सोच कितनी व्यावहारिक और कितनी व्यापक थी। आज 'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र से देश इसी विज़न को साकार कर रहा है। आज आत्मनिर्भर भारत अभियान देश के गांव-गरीब, किसान, मजदूर और मध्यम वर्ग के भविष्य निर्माण का माध्यम बन रहा है। हमें गर्व होता है कि हम अपने महापुरुषों के सपनों को पूरा कर रहे हैं। हमें गर्व है कि हमारी विचारधारा देशभक्ति को ही अपना सब कुछ मानती है। हमारी विचारधारा राष्ट्र प्रथम की बात करती है। ■

हम दीनदयालजी के बताएं रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 11 फरवरी, 2021 को नई दिल्ली स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में महान मनीषी, राष्ट्रभक्त एवं कुशल संगठनकर्ता दीनदयाल उपाध्यायजी की 53वीं पुण्यतिथि 'समर्पण दिवस' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया और सभा में उपस्थित पार्टी के सभी राज्य सभा सांसदों एवं पार्टी पदाधिकारियों से पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी द्वारा दिखाए गए मार्ग को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। इससे पहले उन्होंने अंबेडकर इंटरनेशनल स्टेडियम में भी समर्पण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत किया और लोक सभा सांसदों से इस अवसर पर पंडित दीनदयाल जी के सिद्धांतों को आत्मसात करने का आह्वान किया। श्री नड्डा ने पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री नड्डा ने कहा कि आज हम पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की 53वीं पुण्यतिथि मना रहे हैं। संसद सत्र होने के कारण हमने तय किया कि हमारे सभी सांसद आज यहां उपस्थित होकर पुण्यतिथि मनाएंगे। उन्होंने कहा कि आज हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री मोदी जी का मार्गदर्शन हमें इस अवसर पर मिला। प्रधानमंत्री मोदीजी का संगठन के प्रति समर्पण और

जब भी पार्टी ने उनसे कोई भी निवेदन किया, उसे उन्होंने स्वीकार भी किया और पार्टी को मजबूती देने एवं मार्गदर्शन करने के लिए वो हमेशा तैयार रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज देश भर में हम सब पंडित दीनदयाल जी की पुण्यतिथि को 'समर्पण दिवस' के रूप में याद भी कर रहे हैं और उनके बताएं रास्ते पर चलने का संकल्प लेते हुए आगे बढ़ रहे हैं।

श्री नड्डा ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में कोई राजनेता होता है, कोई विचारक होता, कोई संगठक होता है लेकिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी 'श्री इन वन' थे। वे एक समर्पित राजनेता भी थे, महान विचारक भी थे और कुशल संगठक भी थे। बहुत कम समय में उन्होंने पार्टी को आगे ले जाने में भी सफलता प्राप्त की। उन्होंने भारतीय रीति, नीति और संस्कृति में अर्थ चिंतन और विकास के सिद्धांत को प्रतिपादित किया। उन्होंने कहा कि अर्थ, भूख और पेट की शांति के साथ-साथ मन और विचार की भी चिंता करनी चाहिए। उन्होंने एकात्म मानववाद के सिद्धांत के आधार पर अंत्योदय की बात की और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े गांव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित, शोषित और आदिवासियों के कल्याण की बात की।

श्री नड्डा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का कहना था कि जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति का विकास नहीं होगा, तब तक समाज आगे नहीं बढ़ता और जब तक समाज आगे नहीं बता तब तक समाज खुशहाल भी नहीं हो सकता।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की हमारी सभी सरकारों की योजनाओं में अंत्योदय का मूल सिद्धांत रहा है चाहे वह केंद्र सरकार हो या राज्य सरकारें। हमारी सरकारों की हर योजनाओं में यह चिंतन होता है कि अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की कैसे विकास की राह पर आगे बढ़ाया जा सकता है। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के बारे में कहते थे कि उनका मानना था कि राजनीति और राजनीतिक दल साध्य हो सकते हैं, साधन नहीं। ये माध्यम हो सकते हैं लेकिन यह अंतिम लक्ष्य नहीं हो सकता। हमें इस माध्यम का उपयोग अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के विकास के लिए करना है।

• भारतीय जनता पार्टी की हमारी सभी सरकारों की योजनाओं में अंत्योदय का मूल सिद्धांत रहा है चाहे वह केंद्र सरकार हो या राज्य सरकारें

श्री नड्डा ने कहा कि कोरोना संक्रमण के लॉकडाउन काल में हम सबने देखा कि किस तरह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत को जमीन पर उतारते हुए मानवता की सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। जब दवाई की बात आई तो उन्होंने न केवल देश को उपलब्ध कराई बल्कि पूरी दुनिया को उपलब्ध कराई। इसी तरह टीकाकरण की बारी आई तो भारत के साथ-साथ पूरी दुनिया में भी उपलब्ध कराई गई। गरीब कल्याण योजना और आत्मनिर्भर भारत योजना के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश एक ओर तो गरीबों का सशक्तिकरण किया तो वहीं दूसरी ओर उन्होंने देश को आत्मनिर्भर बनाने की बुनियाद रखी। कोरोना के खिलाफ लड़ाई में प्रधानमंत्री मोदीजी ने जिस तरह से दुनिया का मार्गदर्शन किया, उसकी पूरे विश्व में सराहना हुई। ■

कार्यकर्ताओं के समग्र प्रयास के कारण ही पार्टी की 18 करोड़ की सदस्यता हुई है: जे.पी. नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 18 फरवरी 2021 को हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में आयोजित प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित किया। श्री नड्डा ने कार्यसमिति की बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पंचायत चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का बेहतरीन परिणाम सामने आया और अब ग्राम पंचायत से विधान सभा की ओर ध्यान देने का वक्त आ गया है। उन्होंने विपक्षी पार्टियों को निशाना बनाते हुए कहा कि पूरे देश भर में जितनी भी राजनीतिक पार्टियां हैं, सभी परिवारवाद से ग्रस्त हैं जबकि हमारी पार्टी ही एक परिवार है। भारतीय जनता पार्टी की 18 करोड़ की सदस्यता यूं ही नहीं हो गई, यह सभी कार्यकर्ताओं के समग्र प्रयास के कारण ही संभव हो पाया है। कोई राजनीति दल चाह भी ले तो संभव ही नहीं कि वे 18 करोड़ सदस्यता बना लें।

उन्होंने पार्टी के सिद्धांत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का विचार लेकर आगे बढ़ती रही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी द्वारा प्रतिपादित एकात्म मानववाद, अंत्योदय और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के सिद्धांत को अटल बिहारी वाजपेयी जी और श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी सरकार ने आगे बढ़ाया है। पंडित दीनदयाल जी ने संपूर्णता में सोचने का काम किया। उनका कहना था कि जहां शरीर, मन, आत्मा, बुद्धि आत्मसात होकर आगे बढ़ते हैं, वहीं संपूर्णता में सुख की अनुभूति होती है। भारतीय जनता पार्टी आरम्भ से ही अन्त्योदय के सिद्धांत पर काम करती रही और उसी का विस्तार है सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास।

> • पूरे देश भर में जितनी भी राजनीतिक पार्टियां हैं, सभी परिवारवाद से ग्रस्त हैं जबकि हमारी पार्टी ही एक परिवार है

अटल टनल की चर्चा करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि स्वर्गीय अटल जी ने दूर की सोचते हुए 'अटल टनल' का शिलान्यास किया था। बाद में जब वे एक बार मनाली आये थे तो उन्होंने कहा था कि अटल टनल के शिलान्यास का पत्थर उनके दिल पर पत्थर के रूप में गड़ा हुआ है। हम सबने कहा था कि अटल टनल तैयार होगा। कांग्रेस की यूपीए सरकार ने 10 वर्षों तक अटल टनल परियोजना को लटकाए रखी लेकिन जब श्री नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने द्रुत गति से इस कार्य को आगे

बढ़ाया और अटल टनल का शुभारंभ भी हुआ। अटल टनल आज रक्षा का भाग ही नहीं पर्यटन स्थल भी बन गयी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सीमा पर 14000 किमी से ज्यादा लम्बी सड़कें बनाकर जिस प्रकार देश की सुरक्षा की है उससे देश की 130 करोड़ जनता का सीना गर्व से खिल उठता है जबकि यूपीए के समय उनके रक्षा मंत्री संसद में ये बयान देते नजर आये थे कि सीमा पर इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने की क्या आवश्यकता है। श्री नड्डा ने वोकल फॉर लोकल का जिक्र करते हुए कहा कि हिमाचल में बनी सामग्री को अंतरराष्ट्रीय ब्रांड बनाने का काम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं।

श्री नड्डा ने कहा कि श्री जयराम ठाकुर के नेतृत्व में प्रदेश की भाजपा सरकार ने विकास को नया आयाम दिया है। उन्होंने एक ओर आयुष्मान भारत के साथ-साथ हिमकेयर योजना की शुरुआत की जिससे कि प्रदेश के हर नागरिक को स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिल रहा है तो वहीं उन्होंने दूसरी ओर उज्ज्वला योजना के साथ-साथ गृहणी सुविधा योजना को शुरू किया जिससे कि महिलाओं को लकड़ी के धुएं से आजादी मिली। उन्होंने कहा कि हमारा आने वाला कल इस पर निर्भर करता है कि हम सब मिलकर अपने प्रदेश को कितना आगे ले कर जा सकते हैं। इसके लिए केंद्र और प्रदेश की कल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं को आह्वान करते हुए कहा कि अभिमान में आकर सुस्त नहीं होना है। नए चुने प्रतिनिधि याद रखें कि अपने मतदाताओं की हमेशा इज्जत करें। ■

भारत में वैश्विक पैमाने पर होगा दूरसंचार विनिर्माण

इस योजना से 3 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश आकर्षित होगा और यह बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा करेगा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में 17 फरवरी को दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पादों के लिए उत्पादन से संबद्ध लाभ (पीएलआई) योजना को मंजूरी दी गई, जिसके लिए बजट में 12,195 करोड़ रुपये व्यय करने का प्रावधान किया गया है।

पीएलआई योजना का लक्ष्य भारत में दूरसंचार तथा नेटवर्किंग उत्पादों के निर्माण को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही वित्तीय लाभ देने के प्रस्ताव से घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा और दूरसंचार तथा नेटवर्किंग उत्पादों के क्षेत्र में निवेश आकर्षित किया जा सकेगा। इस तरह 'मेक इन इंडिया' को प्रोत्साहित करने में मदद मिलेगी। साथ ही, यह योजना दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहित करेगी, जो 'मेड इन इंडिया' हैं।

इस योजना के तहत उन कंपनियों/उद्यमों को सहायता मुहैया कराई जाएगी, जो विशेष रूप से दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पादों का निर्माण करते हैं। पात्रता इस बात पर निर्भर करेगी कि चार वर्ष की अवधि में संचयी वृद्धिशील निवेश की न्यूनतम सीमा और आधार वर्ष 2019-2020 के आधार पर निर्मित उत्पादों की कुल बिक्री, करों के शुद्ध रूप में क्या रही। कुल संचयी निवेश एकमुश्त किया जा सकता है, बशर्ते वह चार साल की अवधि के लिए निर्धारित संचय सीमा को पूरा करता हो।

वैश्विक तौर पर दूरसंचार एवं नेटवर्किंग उत्पादों का निर्यात 100 बिलियन अमरीकी डॉलर का बाजार अवसर प्रदान करता है, भारत जिसका लाभ उठा सकता है। इस योजना के तहत सहायता से भारत वैश्विक कंपनियों से भारी निवेश आकर्षित कर सकता है और साथ ही साथ घरेलू श्रेष्ठ कंपनियों को इन उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित कर वैश्विक निर्यात बाजार में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज कर सकता है।

'आत्मनिर्भर भारत' के तहत विनिर्माण और निर्यात क्षमता में वृद्धि करने की रणनीतियों के अंग रूप में यह योजना उस महत्वपूर्ण योजना का हिस्सा है, जिसे केंद्रीय मंत्रिमंडल ने विभिन्न मंत्रालयों/विभागों खासतौर से दूरसंचार विभाग में पीएलआई लागू करने के उद्देश्य से नवंबर, 2020 में मंजूरी दी थी।

इसके तहत आधार वर्ष से पांच वर्ष की अवधि के लिए एमएसएमई के लिए 7 प्रतिशत से 4 प्रतिशत तक लाभों के साथ न्यूनतम 10 करोड़ रुपये के निवेश और अन्य के लिए 6 प्रतिशत से 4 प्रतिशत तक के लाभों के साथ 100 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव है। एमएसएमई और गैर-एमएसएमई श्रेणियों में उच्च निवेश वाले आवेदकों का चयन पारदर्शी प्रक्रिया के जरिए किया जाएगा।

इस योजना के साथ भारत दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पादों के विनिर्माण के क्षेत्र में वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित हो सकेगा। उम्मीद है कि पांच वर्ष में इसका वृद्धिशील उत्पाद 2 लाख करोड़ रुपये के लगभग हो जाएगा। भारत विनिर्माण के क्षेत्र में अपनी प्रतिस्पर्धा में सुधार कर सकेगा।

उम्मीद है कि इस योजना से 3 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश आकर्षित होगा और यह बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा करेगा। इस नीति के जरिए भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेगा। भारत में बड़े पैमाने पर विनिर्माण के लिए लाभ दिए जाने से घरेलू स्तर पर धीरे-धीरे मूल्य संवर्धन बढ़ेगा। एमएसएमई को अधिक लाभ देने के प्रावधान से घरेलू दूरसंचार विनिर्माताओं को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकेगा। ■

केंद्र सरकार ने इस वर्ष खाद्य सब्सिडी के लिए जारी किए रिकॉर्ड 1,25,217.62 करोड़ रुपये

केंद्र सरकार ने इस वर्ष खाद्य सब्सिडी के लिए रिकॉर्ड 1,25,217.62 करोड़ रुपये जारी किये हैं। इसी वित्तीय वर्ष के दौरान 2,97,196.52 करोड़ रुपये से अधिक राशि और जारी की जाएगी, जिसमें से पंजाब के लिए सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली के तहत 1,16,653.96 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत है। इससे हरियाणा के किसानों को लगभग 24,841.56 करोड़ रुपये का लाभ होगा। भुगतान का ई-मोड यह दर्शाता है कि किसान, आढ़तियों, मंडी सहित सभी प्रतिभागी पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अपने भुगतान सीधे श्रृंखला में ऑनलाइन प्राप्त करेंगे। इससे किए गए भुगतानों को आसानी से ट्रैक किया जा सकता है और इससे सभी लाभान्वित होते हैं। ■

केंद्र ने अक्टूबर, 2020 से राज्यों को जारी किए जीएसटी मुआवजे के एक लाख करोड़ रुपये

अभी तक राज्यों और विधानसभा वाले केंन्द्रशासित प्रदेशों को कुल अनुमानित जीएसटी मुआवजे की कमी की 91 प्रतिशत राशि जारी की जा चुकी है

केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने 20 फरवरी को कहा कि केंद्र ने अक्टूबर, 2020 से अब तक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को जीएसटी मुआवजे के रूप में एक लाख करोड़ रुपये जारी किए। मंत्रालय ने 19 फरवरी को 23 राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों (दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और पुदुचेरी) को 5,000 करोड़ रुपये की 17वीं साप्ताहिक किस्त जारी की, जिसके साथ पिछले साल अक्टूबर में स्थापित विशेष उधारी खिड़की के तहत अब तक जारी की गई कुल राशि एक लाख करोड़ रुपये हो गई।

अभी तक राज्यों और विधानसभा वाले केंन्द्रशासित प्रदेशों को कुल अनुमानित जीएसटी मुआवजे की कमी की 91 प्रतिशत राशि जारी की जा चुकी है। इसमें से 91,460.34 करोड़ रुपये की राशि राज्यों को और विधानसभा वाले तीन केंद्रशासित प्रदेशों को 8,539.66 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है।

भारत सरकार ने जीएसटी कार्यान्वयन के कारण पैदा हुई 1.10 लाख करोड़ रुपये की कमी को पूरा करने के लिए अक्टूबर, 2020 में एक विशेष उधार विंडो स्थापित की थी। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की ओर से भारत सरकार द्वारा इस विंडो के माध्यम से ऋण लिया जा रहा है।

विशेष विंडो के तहत भारत सरकार 3 साल और 5 साल के कार्यकाल के लिए सरकारी स्टॉक में उधार ले रही है। प्रत्येक टेनर के तहत किए गए उधार को जीएसटी क्षतिपूर्ति की कमी के अनुसार सभी राज्यों में समान रूप से विभाजित किया गया है।

वर्तमान जारी राशि के साथ 16 राज्यों और 2 केंद्रशासित प्रदेशों के लिए 5 साल के लिए लंबित जीएसटी अनुपात समाप्त हो गया है। ये राज्य/केंद्रशासित प्रदेश को पहली किस्त से जीएसटी क्षतिपूर्ति जारी की जा रही थी।

अभी तक केंद्र सरकार द्वारा इस विशेष उधार विंडो के माध्यम से 4.8307 प्रतिशत की औसत ब्याज दर पर 1,00,000 करोड़ रुपये की राशि उधार ली गई है। ■

ईपीएफओ ने चालू वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाहियों में लगभग 53.70 लाख नए सदस्य जोड़े

कोविड-19 महामारी होने के बावजूद ईपीएफओ ने चालू वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाहियों में लगभग 53.70 लाख नए सदस्य जोड़े हैं। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही की तुलना में तीसरी तिमाही के दौरान शुद्ध वेतन वृद्धि के मामले में 22% की मजबूत वृद्धि दर्ज की है। ईपीएफओ ने 20 फरवरी, 2021 को अनंतिम पेरोल आंकड़े जारी किए। इसके अंतर्गत दिसंबर, 2020 के माह में ईपीएफओ के साथ 12.54 लाख नए सदस्य जुड़ गए हैं। नवंबर, 2020 की तुलना इस महीने के नेट सब्सक्राइबर्स में 44% की वृद्धि हुई है। पेरोल डेटा की साल दर साल तुलना करे तो दिसंबर, 2020 में 24% की वृद्धि हुई है, जो ग्राहकों के संदर्भ में ईपीएफओ के लिए कोविड से पहले की स्थिति की वापसी प्रदर्शित करता है। दिसंबर, 2020 माह में लगभग 8.04 लाख नए सदस्य ईपीएफओ में शामिल हुए। लगभग 4.5 लाख कुल सदस्य बाहर निकल गए और फिर ईपीएफओ से जुड़ गए, जो ईपीएफओ द्वारा कवर किए गए प्रतिष्ठानों के अंदर सदस्यों द्वारा नौकरियों की अदला-बदली का संकेत देते हैं और सदस्यों द्वारा अंतिम निपटारा का विकल्प चुनने के बजाय फंड के हस्तांतरण के माध्यम से अपनी सदस्यता बरकरार रखने की पुष्टि करते हैं।

दिसंबर, 2020 माह में सबसे ज्यादा जुड़ने वाले नए सदस्य 22-25 वर्ष के हैं जिसकी संख्या 3.36 लाख है। उसके बाद 18-21 वर्ष के लोग हैं जिनकी संख्या 2.81 लाख है। 18-25 आयु वर्ग के सदस्यों को श्रम बाजार में नए रोजगार के रूप में देखा जा सकता है और दिसंबर, 2020 में इन नए सदस्यों द्वारा लगभग 49.19% प्रतिशत का योगदान दिया गया है। दिसंबर, 2020 के महीने में कुल 8.04 लाख शुद्ध ग्राहक ईपीएफ योजना में शामिल हुए जिसमें कुल 1.83 लाख महिलाएं थीं। नौकरी को लेकर महिलाओं की संख्या में सुधार इस महीने में जारी है क्योंकि नवंबर, 2020 में यह आंकड़ा 1.52 लाख था। ■

'जल जीवन मिशन' के तहत 3.5 करोड़ ग्रामीण परिवारों को दिए गए नल जल कनेक्शन

अब 6.76 करोड़ (35.24 प्रतिशत) यानी एक तिहाई से ज्यादा ग्रामीण परिवारों को नल से पेयजल मिल रहा है

वर्ष 2024 तक प्रत्येक ग्रामीण परिवार को जल नल कनेक्शन मुहैया कराने के लक्ष्य के साथ 15 अगस्त, 2019 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित 'जल जीवन मिशन' ने एक और उपलब्धि हासिल कर 3.53 करोड़ ग्रामीण परिवारों को जल नल कनेक्शन मुहैया करा दिए हैं।

15 अगस्त, 2019 को कुल 18.93 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से मात्र 3.23 करोड़ (17 प्रतिशत) परिवारों के पास यह कनेक्शन थे। राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के अथक प्रयासों के बाद जल जीवन मिशन के तहत 3.53 करोड़ परिवारों को यह कनेक्शन दिए गए। इसके साथ ही 52 जिलों और 77 हजार गांवों में रहने वाले हर परिवार को अपने घरों में यह कनेक्शन दिए गए हैं। अब 6.76 करोड़ (35.24 प्रतिशत) यानी एक तिहाई से ज्यादा ग्रामीण परिवारों को नल से पेयजल मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि गोवा देश का पहला राज्य बन गया है, जहां शत-प्रतिशत परिवारों को जल नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं।

विभिन्न राज्य/केंद्रशासित प्रदेश अब इस मामले में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं और इस बात को सुनिश्चित कर रहे हैं कि देश के हर परिवार को सुरक्षित पेयजल प्रदान किया जाए। यह कार्य समानता और समावेशिता के सिद्धान्त के आधार पर किया जा रहा है।

जल जीवन मिशन राज्यों के साथ भागीदारी में चलाया जा रहा है और इसका उद्देश्य प्रत्येक परिवार को पर्याप्त मात्रा में और उचित गुणवत्ता वाला पेयजल नियमित और दीर्घकालिक आधार पर मुहैया कराया जाना है। राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों ने प्रारंभिक दृष्टिकोण के अनुरूप व्यापक योजना तैयार की और इसी के अनुरूप प्रत्येक ग्रामीण परिवार को जल नल कनेक्शन मुहैया कराने की कार्य योजना तैयार की गई। इस योजना को लागू करते समय राज्य शुद्ध पेयजल रहित इलाकों, सूखा प्रभावित और रेगिस्तानी इलाकों के गांवों, अनुसूचित जनजाति/अनुसूचित जाति बहुल गांवों महत्वाकांक्षी जिलों और सांसद आदर्श ग्राम योजना वाले गांवों को प्राथमिकता दे रहे हैं। ■

ईएसआईसी लाभार्थी अब ईएसआईसी नामित अस्पतालों में भी करवा सकते हैं इलाज

विभिन्न नए क्षेत्रों में भी ईएसआई योजना का विस्तार करने के परिणामस्वरूप ईएसआई लाभार्थियों की संख्या में बड़े पैमाने पर वृद्धि हुई है। अब ईएसआई सदस्यों को उनके अपने आवास क्षेत्र के आसपास ही चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बुनियादी ढांचे के विस्तार और उसे सशक्त करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

इस समय कुछ क्षेत्रों में ईएसआई के स्वास्थ्य देखभाल केन्द्रों जैसे अस्पताल या औषधालय या इन्श्योर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर (आईएमपी) के 10 किलोमीटर के दायरे में न होने के चलते ईएसआई लाभार्थियों को चिकित्सा सुविधा प्राप्त करने में कठिनाई आ रही है। ऐसे क्षेत्रों में ईएसआई लाभार्थियों को अब समग्र भारत में ईएसआईसी के नामित अस्पतालों में स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा प्राप्त करने का विकल्प उपलब्ध कराया गया है। इसके लिए लाभार्थी को किसी ईएसआईसी अस्पताल या औषधालय से अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होगी।

ऐसे क्षेत्रों में ईएसआई लाभार्थियों को ईएसआई के नामित अस्पताल में ओपीडी सेवाओं को मुफ्त और सीधे प्राप्त करने के लिए नामित अस्पताल जाना होगा और अपना ईएसआई ई-पहचान पत्र/स्वास्थ्य पासबुक के साथ आधार कार्ड/सरकार द्वारा जारी पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा। ऐसे लाभार्थी ओपीडी में चिकित्सक द्वारा लिखी गई दवाओं के लिए किए गए भुगतान को वापस लेने की सुविधा होगी। यह सुविधा पाने के लिए लाभार्थी को औषधालय एवं शाखा कार्यालय या ईएसआईसी के क्षेत्रीय कार्यालय जाना होगा।

यदि लाभार्थी को अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता होती है तब नामित अस्पताल को 24 घंटों के भीतर ऑनलाइन माध्यम से ईएसआई के प्राधिकृत अधिकारी से अनुमति प्राप्त करनी होगी, ताकि लाभार्थी को नकद रहित स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा उपलब्ध करायी जा सके। इस संबंध में ईएसआईसी मुख्यालय द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देश कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) की वेबसाइट पर www.esic.nic.in पर उपलब्ध है। ■

नहीं रहे न्यायमूर्ति एम. रामा जॉयस

(27 जुलाई, 1931 - 16 फरवरी, 2021)

प्रख्यात कानूनविद, बिहार और झारखंड के पूर्व राज्यपाल न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) एम. रामा जॉयस का 16 फरवरी को निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे। लेखक और इतिहासकार श्री जॉइस लंबे समय से उम्र संबंधी बीमारियों से ग्रस्त थे एवं हृदयगति रुकने से उनकी मौत हुई। श्री जॉयस के निधन पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह, केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण, कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बीएस येदियुरप्पा समेत कई जाने-माने व्यक्तियों ने दुःख व्यक्त किया।

न्यायाधीश एम. रामा जॉयस का जन्म 27 जुलाई, 1931 को कर्नाटक के शिमोगा जिले में हुआ था। उन्होंने बेंगलुरु के एक कॉलेज से कानून की डिग्री हासिल की थी। उन्हें 1977 में कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया। बाद में उन्हें 1992 में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया।

सेवानिवृत्त हाने के बाद न्यायमूर्ति जॉयस 2002-2003 तक झारखंड के राज्यपाल तथा 2003-2004 तक बिहार के राज्यपाल नियुक्त किए गए। वे राज्य सभा के लिए भी निर्वाचित हुए। वह एक प्रसिद्ध लेखक भी थे, जिन्होंने 'द लीगल एंड कांस्टीट्यूशनल हिस्ट्री ऑफ इंडिया' जैसी किताबें भी लिखीं।

शोक संदेश

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) एम. रामा जॉयस के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया। एक ट्वीट में श्री मोदी ने कहा कि न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) एम. रामा जॉयस एक उत्कृष्ट बुद्धिजीवी और न्यायविद् थे। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में उनकी कुशाग्र बुद्धि और योगदान की हमेशा सराहना की गई। उनके निधन से दुःखी हूं। इस दुःख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने अपने शोक संदेश में कहा कि न्यायाधीश एम. रामा जॉयस का निधन समाज के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। उन्होंने राष्ट्र के लिए निःस्वार्थ भाव से सेवा की और न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायी क्षेत्रों पर अपनी गहरी छाप छोड़ी। उनके परिवार, दोस्तों और समर्थकों के प्रति संवेदना। ओम शांति।

केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने एक ट्वीट कर कहा कि एक प्रसिद्ध न्यायविद और बिहार तथा झारखंड के पूर्व राज्यपाल, जस्टिस एम. रामा जॉयस जी के निधन पर मेरी संवेदना। उन्होंने भारतीय न्यायपालिका में उल्लेखनीय योगदान दिया। 1975 में आपातकाल के दौरान लोकतंत्र बहाल करने की उनकी कोशिशों के लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। ओम शांति।

केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने कहा कि उनकी किताब 'द लीगल एंड कांस्टीट्यूशनल हिस्ट्री ऑफ इंडिया' अहम दस्तावेज है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बीएस येदियुरप्पा ने कहा कि वह कानून के क्षेत्र के जाने-माने व्यक्ति थे, जिनके विचार विधि एवं संविधान पर लिखी उनकी किताबों में प्रतिबिंबित होते हैं। ■

गुजरात नगर निकाय चुनावों में भाजपा की शानदार जीत

भारतीय जनता पार्टी ने फिर एक बार चुनावों में अपना डंका बजाते हुए गुजरात में छह महानगरपालिकाओं के लिए हुए चुनावों में शानदार जीत हासिल की। सभी छह महानगर पालिकाओं के परिणाम 23 फरवरी, 2021 को घोषित किए गए और इसमें भाजपा ने 576 में से 483 सीटों पर जीत दर्ज की। इन छह महानगरपालिकाओं के लिए मतदान 21 फरवरी, 2021 को हुआ था, जिसमें 46.08 प्रतिशत मतदान हुआ था।

भाजपा ने फिर से सभी छह महानगर पालिकाओं–अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, राजकोट, जामनगर और भावनगर पर अपनी वापसी की है। इन चुनावों में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को शर्मनाक हार मिली क्योंकि पार्टी ने केवल 55 सीटें पर जीत दर्ज की और सूरत में तो पार्टी अपना खाता भी नहीं खोल पाई।

भाजपा ने अहमदाबाद की 192 सीटों में से 159, राजकोट की 72 सीटों में से 68, जामनगर की 64 सीटों में से 50, भावनगर की 52 सीटों में से 44, वडोदरा की 76 सीटों में से 69 सीटें और सूरत की 120 सीटों में से 93 पर जीत दर्ज की।

भाजपा में पुन: अपनी आस्था प्रकट करने के लिए गुजरात के निवासियों का धन्यवाद

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी में अपना विश्वास पुनः प्रकट करने के लिए गुजरात की जनता को धन्यवाद देते हुए कहा, "धन्यवाद गुजरात! महानगर पालिका चुनावों के परिणाम स्पष्ट रूप से लोगों में विकास और सुशासन की राजनीति के प्रति उनके अटूट विश्वास को दिखाते हैं। फिर से भाजपा पर भरोसा जताने के लिए मैं राज्य की जनता का आभारी हूं। हमेशा गुजरात की सेवा करने का सम्मान मिला। आज पूरे गुजरात में मिली यह जीत एक ऐसी पार्टी के लिए बहुत खास है, जो राज्य में दो दशकों से अधिक समय से ऐसी अभूतपूर्व जीत हासिल करती आ रही है। यहां समाज के सभी वर्गों, खासकर गुजरात के युवाओं में भाजपा के प्रति व्यापक समर्थन देखना, बेहद खुशी की बात है।"

श्री मोदी ने राज्य भाजपा कार्यकर्ताओं की प्रशंसा करते हुए कहा, "मैं गुजरात भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता के प्रयासों की सराहना करना चाहूंगा, जो भाजपा का संदेश लेकर जनता के बीच गए और राज्य के लिए हमारी पार्टी के दृष्टिकोण को जनता के बीच प्रचारित-प्रसारित किया। गुजरात सरकार की जन-कल्याणकारी नीतियों ने पूरे राज्य को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है।"

'यह प्रधानमंत्री की लोक कल्याणकारी नीतियों में अटूट विश्वास की जीत है'

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने भी महानगर पालिका चुनावों में मिली प्रचंड जीत के लिए मुख्यमंत्री श्री विजय रूपानी सहित पार्टी की गुजरात इकाई के सभी सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने कहा, "गुजरात की सभी छह महानगर पालिकाओं में भाजपा को भारी बहुमत मिला है। यह प्रधानमंत्री मोदी की जन कल्याणकारी और विकास-उन्मुख नीतियों में जनता के अटूट विश्वास की जीत है। मैं राज्य की जनता को भाजपा में उनके निरंतर विश्वास के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता हूं।"

गुजरात ने पुन: स्वयं को भाजपा के गढ़ के रूप में स्थापित किया

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने चुनाव परिणामों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि गुजरात की छह महानगर पालिकाओं के चुनाव परिणाम बताते हैं कि गुजरात ने एक बार फिर से भाजपा के गढ़ के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि गुजरात के यह परिणाम भाजपा के लिए सबसे अच्छे चुनाव परिणामों में से एक हैं। लगभग 85 प्रतिशत सीटों पर भाजपा की जीत का मुख्य कारण भाजपा सरकारों की कार्य-संस्कृति और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' मंत्र है। ■

पिछले छह वर्षों में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की क्षमता 13 गुना बढ़ी है: नरेन्द्र मोदी

केरल के पुगलुर-त्रिशूर पावर ट्रांसमिशन परियोजना, कासरगोड सौर ऊर्जा परियोजना और अरूविक्करा स्थित जल शोधन संयंत्र का उद्घाटन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 19 फरवरी को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से केरल के पुगलुर-त्रिशूर पावर ट्रांसमिशन परियोजना, कासरगोड सौर ऊर्जा परियोजना और अरूविक्करा स्थित जल शोधन संयंत्र का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम के दौरान श्री मोदी ने तिरुवनंतपुरम में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर और स्मार्ट रोड परियोजना का शिलान्यास भी किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पिछले छह वर्षों में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की क्षमता 13 गुना बढ़ गई है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन के माध्यम से दुनिया को भी एकजुट किया है।

श्री मोदी ने कहा कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में हमारी उपलब्धियां जलवायु परिवर्तन के खिलाफ एक मजबूत लड़ाई सुनिश्चित करती हैं और हमारे उद्यमियों को प्रोत्साहन देती हैं। उन्होंने कहा कि हमारे अन्नदाताओं को ऊर्जादाता बनाने के लिए किसानों को सौर क्षेत्र से भी जोड़ा जा रहा है। पीएम-कुसुम योजना के तहत किसानों को 20 लाख से अधिक सौर ऊर्जा पंप दिए जा रहे हैं।

नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन के जरिये बुनियादी ढांचा निर्माण के लिए 110 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है

श्री मोदी ने कहा कि आज से शुरू होने वाले विकास कार्यों का विस्तार केरल के सभी हिस्सों तक है और इनमें विविध क्षेत्रों का समावेश है। ये कार्य केरल जैसे सुंदर राज्य, जहां के लोग भारत की प्रगति में व्यापक योगदान दे रहे हैं, को शक्ति प्रदान करेंगे और उसे सशक्त बनायेंगे।

उन्होंने कहा कि 2000 मेगावाट वाली अत्याधुनिक पुगलुर-त्रिशूर हाई वोल्टेज डायरेक्ट करंट प्रणाली, जिसका आज उद्घाटन किया गया है, राष्ट्रीय ग्रिड के साथ केरल का पहला एचवीडीसी इंटरकनेक्शन है और यह राज्य में बिजली की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए विशाल मात्रा में बिजली के हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करेगी। यह पहला मौका है जब देश में ट्रांसमिशन के लिए वीएससी कनवर्टर तकनीक का उपयोग किया गया है।

श्री मोदी ने कहा कि अपने आंतरिक बिजली उत्पादन के मौसमी प्रकृति की वजह से केरल मुख्य रूप से राष्ट्रीय ग्रिड से बिजली के आयात पर निर्भर है और एचवीडीसी प्रणाली इस खाई को पाटने में मदद करती है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस परियोजना में उपयोग किए जाने वाले एचवीडीसी उपकरण भारत में बनाए गए हैं और इससे आत्मनिर्भर भारत आंदोलन को शक्ति मिलती है।

कोच्चि (केरल) में विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कोच्चि (केरल) में 14 फरवरी को विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस अवसर पर श्री मोदी ने कहा कि आज उद्घाटन किए गए कार्यों में विविध क्षेत्र शामिल हैं। वे भारत के विकास पथ को ऊर्जा प्रदान करेंगे।

उन्होंने कहा कि आज शुरू होने वाली प्रोपीलीन डेरिवैटिव पेट्रोकेमिकल परियोजना (पीडीपीपी) से भारत को आत्मनिर्भर होने की यात्रा में मदद मिलेगी, क्योंकि इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी। उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला हासिल होगी और रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। इसी तरह रो-रो वेसल्स के साथ जलमार्ग के रास्ते सड़क की लगभग तीस किलोमीटर की दूरी 3.5 किलोमीटर हो जाएगी जिससे भीड़-भाड़ कम होने और अधिक सुविधा मिलने के साथ वाणिज्य और क्षमता-निर्माण में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार केरल में पर्यटन संबंधी बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए अनेक प्रयास कर रही है। कोच्चि में इंटरनेशनल क्रूज़ टर्मिनल, सागरिका का उद्घाटन इसका एक उदाहरण है। सागरिका क्रूज टर्मिनल समुद्री पर्यटन करने वाले एक लाख से अधिक पर्यटकों की आवश्यकताएं पूरी करेगा। श्री मोदी ने अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर महामारी संबंधी प्रतिबंधों के कारण स्थानीय पर्यटन में वृद्धि की चर्चा की। उन्होंने कहा कि विश्व पर्यटन सूचकांक रैंकिंग में भारत पैंसठ से चौंतीसवें स्थान पर आ गया है। ■

'हमारे सशस्त्र बल भारत के साहस के प्रतीक हैं'

प्रधानमंत्री ने सेना को अर्जुन मेन बैटल टैंक सौंपा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 14 फरवरी को चेन्नई में अनेक प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। श्री मोदी ने सेना को अर्जुन मेन बैटल टैंक (एमके-1ए) भी सौंपा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि ये परियोजनाएं नवाचार और स्वदेशी विकास की प्रतीक हैं। इन परियोजनाओं से तमिलनाडु की प्रगति को और बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि तंजावुर और पुदुक्कोट्टई को विशेष रूप से लाभ मिलेगा, क्योंकि यहां आज 636 किलोमीटर लंबी ग्रैंड एनीकट कैनाल प्रणाली को आधुनिक बनाने के लिए आधारशिला रखी गई है। इस परियोजना से व्यापक प्रभाव पड़ने वाला है। इससे 2.27 लाख एकड़ भूमि के लिए सिंचाई सुविधाएं बेहतर होंगी।

साथ ही, श्री मोदी ने आज पुलवामा हमले की बरसी पर इस हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि हम उन सभी शहीदों को श्रद्धांजलि देते हैं जिन्हें हमने इस हमले में खो दिया था। हमें अपने सुरक्षा बलों पर बहुत गर्व है। उनकी बहादुरी से आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिलती रहेगी।

श्री मोदी ने कहा कि भारत ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास शुरू किये हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह प्रयास विश्व की सबसे पुरानी भाषा तमिल के महाकवि सुब्रमण्यम भारती के लेखन से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि आइए हम हथियार बनाएं, आइए हम कागज बनाएं, आइए हम कारखाने बनाएं, आइए हम स्कूल बनाएं, आइए हम वाहन बनाएं, जो आगे बढ़ सकें और उड़ सकें। आइए हम जहाज बनाएं जो दुनिया को हिला सकें।

श्री मोदी ने कहा कि दो में से एक रक्षा गलियारा तमिलनाडु में है। इस कॉरिडोर को पहले ही 8100 करोड़ रुपये से अधिक की निवेश प्रतिबद्धताएं प्राप्त हो गई हैं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु पहले से ही भारत का एक प्रमुख ऑटो मोबाइल विनिर्माण केन्द्र है।

एमबीटी अर्जुन मार्क-1ए के बारे में श्री मोदी ने घोषणा की कि मैं स्वदेशी रूप से डिजाइन और विनिर्मित यह टैंक सेना को सौंपते हुए गर्व का अनुभव कर रहा हूं। यह टैंक स्वदेशी गोला-बारूद भी उपयोग करता है। तमिलनाडु में बना हुआ टैंक देश की सुरक्षा के लिए उत्तरी सीमाओं में उपयोग किया जाएगा। यह भारत की एक

जुट भावना- भारत के एकता दर्शन को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने पर ध्यान दिए जाने से यह क्षेत्र पूरी गति से आगे बढ़ेगा। हमारे सशस्त्र बल भारत के साहस के प्रतीक हैं। इन्होंने समय-समय पर यह दर्शाया है कि वे अपनी मातृभूमि की रक्षा करने में पूरी तरह समर्थ हैं। इन्होंने समय-समय पर यह भी दर्शाया है कि भारत शांति में विश्वास रखता है। भारत हर कीमत पर अपनी संप्रभुता की रक्षा करेगा।

ग्रैंड एनीकट हमारे गौरवशाली अतीत का एक जीवंत प्रमाण

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने खाद्यान्नों के रिकॉर्ड उत्पादन और जल संसाधनों के उचित उपयोग के लिए तमिलनाडु के किसानों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ग्रैंड एनीकट हमारे गौरवशाली अतीत का एक जीवंत प्रमाण है। यह हमारे राष्ट्र के 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्यों के लिए भी एक प्रेरणा है। श्री मोदी ने तमिल कवि अव्वायर का हवाला देते हुए जल संरक्षण की जरूरत पर जोर दिया, क्योंकि यह केवल राष्ट्रीय मुद्दा नहीं है, बल्कि एक वैश्विक विषय भी है। उन्होंने 'प्रति बूंद अधिक फसल (पर ड्रोप मोर क्रोप)' के मंत्र को याद रखने की जरूरत पर जोर दिया।

श्री मोदी ने चेन्नई मेट्रो रेल चरण-1 विस्तार, चेन्नई बीच और अट्टीपट्टू के मध्य चौथी रेलवे लाइन, विल्लुपुरम-कुड्डालोर-मयिलादुथुराई-तंजावुर और मइलादुथुरई-थिरुवरुर में सिंगल लाइन सेक्शन के विद्युतीकरण का उद्घाटन किया। उन्होंने ग्रैंड एनीकट कैनाल सिस्टम और आईआईटी मद्रास के डिस्कवरी कैंपस की आधारशिला रखी। ■

'पश्चिम बंगाल देश में आत्मनिर्भरता का एक महत्वपूर्ण केन्द्र रहा है'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 22 फरवरी को पश्चिम बंगाल में नोआपाड़ा से दक्षिणेश्वर तक मेट्रो रेलवे के विस्तार का उद्घाटन किया और इस खंड पर पहली सेवा को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कलईकुंडा और झारग्राम के बीच तीसरी लाइन का भी उद्घाटन किया।

श्री मोदी ने पूर्वी रेलवे के अज़ीमगंज से खरग्राघाट रोड खंड का दोहरीकरण राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने दनकुनी और बरुइपाड़ा

के बीच चौथी लाइन और रसूलपुर और मगरा के बीच तीसरी लाइन को राष्ट्र को समर्पित किया।

इस अवसर पर श्री मोदी ने कहा कि आज शुभारंभ की गई परियोजनाओं से हुगली के आसपास के लाखों लोगों का जीवन आसान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश में परिवहन के बेहतर साधन आत्मनिर्भरता और विश्वास के हमारे संकल्प को मजबूत करेंगे।

श्री मोदी ने खुशी जताई कि कोलकाता के अलावा हुगली, हावड़ा और उत्तर 24 परगना जिले के लोगों को भी मेट्रो सेवा का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि नोआपाड़ा से दक्षिणेश्वर तक मेट्रो रेलवे के विस्तार के उद्घाटन के साथ दोनों गंतव्यों के बीच यात्रा का समय 90 मिनट से घटकर 25 मिनट हो जाएगा। श्री मोदी ने कहा कि इन सेवाओं से छात्रों और श्रमिकों को बहुत लाभ होगा।

प्रधानमंत्री ने खुशी व्यक्त की कि आजकल भारत में निर्मित मेट्रो या रेलवे प्रणालियों में मेड इन इंडिया का प्रभाव दिखाई देता है। पटरियों को बिछाने से लेकर आधुनिक इंजनों और आधुनिक रेलगाड़ियों तथा आधुनिक डिब्बों तक में बड़ी मात्रा में इस्तेमाल होने वाले सामान और तकनीक स्वदेशी हो गए हैं। इससे परियोजना के निष्पादन में तेजी आई है और निर्माण की गुणवत्ता में वृद्धि हुई है। ■

'पूर्वोत्तर क्षेत्र भारत का नया विकास इंजन होगा'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 22 फरवरी को असम में धेमाजी से दूरमधुबन, डिब्रूगढ़ में इंडियन ऑयल की बोंगाई गांव रिफाइनरी की इंडमैक्स इकाई, ऑयल इंडिया लिमिटेड के सेकेंडरी टैंक फार्म और हेबेडा गांव, मकुम, तिनसुखिया में एक गैस कम्प्रेसर स्टेशन राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने धेमाजी इंजीनियरिंग कॉलेज का भी उद्घाटन किया और असम में सुआलकूची इंजीनियरिंग कॉलेज की आधारशिला रखी।

श्री मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र भारत का नया विकास इंजन होगा और वह असम के लोगों के लिए अधिक काम करने के लिए प्रेरित हुए हैं। उन्होंने याद किया कि कैसे आठ दशक पहले ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी तट ने असमी सिनेमा को जन्म दिया था।

श्री मोदी ने कहा कि इस क्षेत्र ने असम की संस्कृति का गौरव बढ़ाने वाली अनेक हस्तियों को जन्म दिया है। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकारें असम के संतुलित विकास के लिए मिलकर काम कर रही हैं और इसका प्रमुख आधार राज्य का बुनियादी ढांचा है।

विपक्ष की आलोचना करते हुए श्री मोदी ने कहा कि उत्तरी तट में बड़ी संभावनाओं के बावजूद पहले की सरकारों ने इस क्षेत्र के साथ सौतेला व्यवहार किया और इस क्षेत्र के लिए सम्पर्क, अस्पतालों, शिक्षा संस्थानों, उद्योगों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता नहीं दी। उन्होंने कहा कि सरकार 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के मंत्र पर काम कर रही है और इस भेदभाव को दूर किया है। उन्होंने कहा कि आज इस क्षेत्र में ऊर्जा और शिक्षा से जुड़ी 3000 करोड़ रुपये से अधिक की बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शुरू की गई हैं। ■

सरकार ने प्रस्तुत किया संघीय ढांचे की

राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने बजट सत्र के पहले दिन 29 जनवरी को संसद के दो रुकेंगे और न भारत रुकेगा। भारत जब-जब एकजुट हुआ है, तब-तब उसने असंभव पर निर्भरता को कम करते हुए आत्मनिर्भर बनना होगा।

राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने बजट सत्र के पहले दिन संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित किया। श्री कोविंद ने कोरोना महामारी के दौरान केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों और टीकाकरण अभियान की सराहना करते हुए 29 जनवरी को कहा कि सरकार ने अपने निर्णयों से देश के संघीय ढांचे की सामूहिक शक्ति का अद्वितीय उदारण प्रस्तुत किया है।

श्री कोविंद ने कहा कि व्यापक विमर्श के बाद संसद ने सात महीने पूर्व तीन महत्वपूर्ण कृषि सुधार, कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक, कृषि (सशक्तिकरण और संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा करार विधेयक और आवश्यक वस्तु संशोधन विधेयक पारित किए हैं।

8 महीनों तक 80 करोड़ लोगों को 5 किलो प्रतिमाह नि:शुल्क अतिरिक्त अनाज

- अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए रिकॉर्ड आर्थिक पैकेज की घोषणा के साथ ही मेरी सरकार ने इस बात का भी ध्यान रखा कि किसी गरीब को भूखा न रहना पड़े। 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना' के माध्यम से 8 महीनों तक 80 करोड़ लोगों को 5 किलो प्रतिमाह अतिरिक्त अनाज निःशुल्क सुनिश्चित किया गया।
- महामारी के कारण शहरों से वापस आए प्रवासियों को उनके ही गांवों में काम देने के लिए मेरी सरकार ने छह राज्यों में गरीब कल्याण रोजगार अभियान भी चलाया। इस अभियान की वजह से 50 करोड़ मानव दिवस के बराबर रोजगार पैदा हुआ।
- सरकार ने रेहड़ी-पटरी वालों और ठेला लगाने वाले भाइयों-बहनों के लिए विशेष स्वनिधि योजना भी शुरू की। इसके साथ ही करीब 31 हजार करोड़ रुपये गरीब महिलाओं के जनधन खातों में सीधे ट्रांसफर भी किए।
- आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत देश में 1.5 करोड़ गरीबों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिला है। इससे इन गरीबों के 30 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा, खर्च होने से बचे हैं। आज देश के 24 हजार से ज्यादा अस्पतालों में से किसी में भी आयुष्मान योजना का लाभ लिया जा सकता है।

आज देश में 562 मेडिकल कॉलेज

- साल 2014 में देश में सिर्फ 387 मेडिकल कॉलेज थे, लेकिन आज देश में 562 मेडिकल कॉलेज हैं। बीते 6 वर्षों में अंडरग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट चिकित्सा शिक्षा में 50 हजार से ज्यादा सीटों की वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत सरकार ने 22 नए 'एम्स' को भी मंजूरी दी है।
- मेरी सरकार ने स्वामीनाथन आयोग की सिफ़ारिशों को लागू करते हुए लागत से डेढ़ गुना MSP देने का फैसला भी किया था। मेरी सरकार आज न सिर्फ MSP पर रिकॉर्ड मात्रा में खरीद कर रही है, बल्कि खरीद केंद्रों की संख्या को भी बढ़ा रही है।
- पीएम किसान सम्मान निधि के जरिए किसानों के खातों में लगभग एक लाख तेरह हजार करोड़ से अधिक रुपये सीधे ट्रांसफर किए जा चुके हैं।
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ भी देश के छोटे किसानों को हुआ है। इस योजना के तहत पिछले 5 वर्षों में किसानों को 17 हजार करोड़ रुपये प्रीमियम के एवज में लगभग 90 हजार करोड़ रुपये की राशि मुआवजे के तौर पर मिली है।

2014 से गरीब ग्रामीण परिवारों के लिए बनाए गए 2 करोड़ घर

- गांव के लोगों का जीवन स्तर सुधरे, यह मेरी सरकार की प्राथमिकता है। इसका उत्तम उदाहरण 2014 से गरीब ग्रामीण परिवारों के लिए बनाए गए 2 करोड़ घर हैं। वर्ष 2022 तक हर गरीब को पक्की छत देने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना की गति भी तेज की गई है।
- मेरी सरकार द्वारा शुरू की गई स्वामित्व योजना से अब ग्रामीणों

सामूहिक शक्ति का अद्वितीय उदाहरणः रामनाथ कोविंद

नों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित किया। श्री कोविंद ने कहा कि चुनौती कितनी ही बड़ी क्यों न हो, न हम से लगने वाले लक्ष्यों को प्राप्त किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यदि अपने महत्व को बढ़ाना है तो दूसरों

को उनकी संपत्ति पर कानूनी हक मिल रहा है। स्वामित्व के इस अधिकार से अब गांवों में भी संपत्तियों पर बैंक लोन लेना, हाउस लोन लेना आसान बनेगा और ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी। इस योजना का भी विशेष लाभ गांवों के छोटे उद्यमियों और कुटीर उद्योग से जुड़े लोगों तथा छोटे किसानों को होगा।

- 'जल जीवन मिशन' के तहत अब तक 3 करोड़ परिवारों को पाइप वॉटर सप्लाई से जोड़ा जा चुका है।
- जनधन खातों, आधार और मोबाइल की त्रिशक्ति ने लोगों को उनका अधिकार सुनिश्चित किया है। इस JAM त्रिशक्ति की वजह से एक लाख अस्सी हजार करोड़ रुपये गलत हाथों में जाने से बच रहे हैं।
- मैन्युफेक्चरिंग से जुड़े 10 सेक्टर्स के लिए पहली बार देश में लगभग डेढ़ लाख करोड़ रुपये की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम लागू की गई है। इसका लाभ इलेक्ट्रॉनिक्स सहित अनेक दूसरे सामान की मैन्युफेक्चरिंग में दिखने भी लगा है।
- ब्रू शरणार्थियों के पुनर्वास को शांति और सौहार्द के साथ पूरा किया जा रहा है। इसी प्रकार ऐतिहासिक बोडो शांति समझौता भी हुआ है, जिसे सफलतापूर्वक लागू किया गया है।

पिछले 6 वर्षों में भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में ढाई गुना वृद्धि

- पिछले 6 वर्षों में भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में ढाई गुना वृद्धि हुई है, जबकि सौर उर्जा क्षमता 13 गुना बढ़ी है। आज देश में कुल ऊर्जा उत्पादन क्षमता का लगभग एक चौथाई हिस्सा नवीकरणीय स्रोतों पर आधारित है।
- आर्टिकल 370 के प्रावधानों के हटने के बाद जम्मू-कश्मीर के लोगों को नए अधिकार मिले हैं।

भव्य राम मंदिर का निर्माण शुरू

- उच्चतम न्यायालय के फैसले के उपरांत भव्य राम मंदिर का निर्माण शुरू हो चुका है।
- वर्ल्ड टूरिज्म इंडेक्स की रैंकिंग में भारत 65वें से 34वीं रैंकिंग पर आ गया है।
- जिस डीबीटी को नजरअंदाज किया जा रहा था, उसी की मदद से पिछले 6 साल में 13 लाख करोड़ रुपये से अधिक धनराशि लाभार्थियों को ट्रांसफर की गई है।
- गरीब और मध्यम वर्ग का बिजली बिल कम हो, इसके लिए 36 करोड़ से ज्यादा सस्ते एलईडी बल्ब वितरित किए गए।

21 करोड़ से अधिक गरीबों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना

- दुर्घटना की स्थिति में गरीब परिवार को दर-दर न भटकना पड़े इसके लिए सिर्फ एक रुपये महीना के प्रीमियम पर 21 करोड़ से अधिक गरीबों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से जोड़ा गया।
- गरीब की मृत्यु के बाद उसके परिवार के पास एक संबल रहे, इसलिए सिर्फ 90 पैसा प्रतिदिन के प्रीमियम पर लगभग साढ़े 9 करोड़ लोगों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से जोड़ा गया।
- मिशन इंद्रधनुष के तहत साढ़े 3 करोड़ से अधिक बच्चों का टीकाकरण किया गया।

उज्ज्वला योजना के तहत 8 करोड़ से ज्यादा मुफ्त कनेक्शन

- रसोई के धुएं से गरीब बहन-बेटी की सेहत न खराब हो, इसके लिए उज्ज्वला योजना के तहत 8 करोड़ से ज्यादा मुफ्त कनेक्शन दिए गए।
- गरीब बहन-बेटी की गरिमा बढ़े, उनकी परेशानी कम हो, इसके लिए स्वच्छ भारत मिशन के तहत 10 करोड़ से ज्यादा शौचालय बनाए गए।
- गरीब को बैंकिंग व्यवस्था का लाभ मिले, इसके लिए 41 करोड़ से अधिक गरीबों के जनधन खाते खोले गए। इनमें से आधे से अधिक खाते हमारी गरीब बहनों और बेटियों के हैं। ■

स्वभाव से ही लोकतांत्रिक है 'हमारा देश'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 8 फरवरी को राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का उत्तर दिया। श्री मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण से कठिन चुनौतियों का सामना कर रहे विश्व में आशा और आत्मविश्वास का संचार हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत आज अवसरों की भूमि बन गया है और पूरे विश्व की नजरे उसी पर टिकी हैं।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर राज्यसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का उत्तर देते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज जब भारत अपनी आजादी के 75वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, तो हमें इसे प्रेरणा के महोत्सव के रूप में मनाना चाहिए और 2047 के भारत, जबकि वह अपनी आजादी के 100 साल पूरे कर लेगा, के संबंध में अपने दृष्टिकोण के प्रति खुद को समर्पित करना चाहिए।

श्री मोदी ने कहा कि कोविड महामारी पर प्रभावी नियंत्रण पा लेना किसी एक पार्टी या किसी एक व्यक्ति की सफलता नहीं है, बल्कि यह एक देश की सफलता है और इसे ऐसे ही मनाना चाहिए। भारत ने वह दिन भी देखे हैं, जब पोलियो और चेचक के खतरे हमारे सामने थे। कोई नहीं जानता था कि भारत को इसका टीका मिलेगा या नहीं और कितने लोगों को यह उपलब्ध होगा।

उन्होंने कहा कि उन दिनों से हम आज तक का सफर तय कर चुके हैं, जब हमारा देश पूरे विश्व के लिए टीका बना रहा है और विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चला रहा है। यह हमारे आत्मविश्वास को बढ़ाने वाली बात है। कोविड-19 काल ने हमारे संघीय ढांचे को और अधिक मजबूती दी है और इसमें सहकारी संघवाद का मिश्रण किया है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस का उदाहरण देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय राष्ट्रवाद न तो संकीर्ण है, न स्वार्थी है और न ही अक्रामक है, बल्कि यह 'सत्यम् शिवम् सुन्दरम्' की अवधारणा पर अवस्थित है। उन्होंने कहा कि भारत सिर्फ विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं, बल्कि 'लोकतंत्र की जननी' है और यही हमारा लोकाचार है। हमारा देश स्वभाव से ही लोकतांत्रिक है।

उन्होंने कहा कि कोरोना काल में जहां अन्य देश विदेशी निवेश से वंचित रहे, वहीं भारत ने इस दौरान रिकॉर्ड निवेश प्राप्त किया। श्री मोदी ने हमारे देश की विदेशी मुद्रा, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई), इंटरनेट सघनता और डिजिटल तथा वित्तीय समायोजन, शौचालयों का विस्तार, वहनीय आवास, एलपीजी कवरेज और निःशुल्क चिकित्सकीय उपचार के मामले में उपलब्धियां गिनाईं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अब तक किसानों को 90,000 करोड़ रुपये के दावों का भुगतान किया गया है। किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड, मृदा स्वास्थ्य कार्ड और किसान सम्मान निधि से भी बहुत लाभ हुआ है। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत जब सड़क सम्पर्क में सुधार होता है, तो किसानों को अपने उत्पादों को दूर तक ले जाने में मदद मिलती है।

> • **प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अब तक किसानों को 90,000 करोड़ रुपये के दावों का भुगतान किया गया है। किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड, मृदा स्वास्थ्य कार्ड और किसान सम्मान निधि से भी बहुत लाभ हुआ है**

श्री मोदी ने युवा शक्ति के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि युवा शक्ति को मजबूत बनाकर देश के भविष्य को उज्ज्वल बनाया जा सकता है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को शीघ्र अंगीकार किए जाने की भी प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को वापस पटरी पर लाने और उसकी तरक्की के लिए सूक्ष्म, लघु और मझौले उद्यमों को आगे बढ़ाने की बहुत जरूरत है, क्योंकि उनमें रोजगार प्रदान करने की बहुत संभावनाएं हैं। यही वजह है कि कोरोना काल में उन पर विशेष ध्यान देते हुए उन्हें प्रोत्साहन पैकेज दिया गया।

'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की अवधारणा का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने उन कदमों के बारे में बताया जो पूर्वोत्तर और नक्सल प्रभावित इलाकों को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए उठाए गए। उन्होंने कहा कि इन इलाकों में हालात में सुधार हुआ है और वहां नए-नए अवसर भी पैदा हो रहे हैं। ■

एक 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण की दिशा में काम कर रहा है भारत

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का 10 फरवरी को उत्तर दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति जी के भाषण ने भारत की संकल्प शक्ति को प्रदर्शित किया है। उनके शब्दों ने भारत के लोगों में आत्मविश्वास की भावना बढ़ी है। उन्होंने इस बात उल्लेख किया कि बड़ी संख्या में महिला सांसदों ने चर्चा में हिस्सा लिया और सदन को अपने विचारों से समृद्ध करने के लिए उन्हें बधाई दी।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का उत्तर देते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कोविड के बाद दुनिया बहुत अलग हो गई है। ऐसे समय में वैश्विक विचारधारा से अलग-थलग रहने के प्रतिकूल परिणाम होंगे। इसीलिए भारत एक 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण की दिशा में काम कर रहा है, जो आगे विश्व के लिए अच्छा काम करना चाहता है।

उन्होंने कहा कि भारत मजबूत हो रहा है और आत्मनिर्भरता दुनिया के लिए अच्छी है। वोकल-फॉर-लोकल किसी नेता विशेष की सोच नहीं है, बल्कि यह देश के हर कोने में गूंज रही है। श्री मोदी ने कहा कि कोरोना से निपटने का श्रेय 130 करोड़ भारतीयों को जाता है। उन्होंने कहा कि हमारे डॉक्टर, नर्स, कोविड योद्धा, सफाई कर्मचारी, एम्बुलेंस चलाने वाले...ऐसे लोग और कई अन्य लोग ऐसे देवदूत बन गए, जिन्होंने वैश्विक महामारी के खिलाफ भारत की लड़ाई को मजबूत किया।

> • **भारत मजबूत हो रहा है और आत्मनिर्भरता दुनिया के लिए अच्छी है। वोकल-फॉर-लोकल किसी नेता विशेष की सोच नहीं है, बल्कि यह देश के हर कोने में गूंज रही है**

श्री मोदी ने कहा कि महामारी के दौरान सरकार ने प्रभावित लोगों की सीधे उनके खातों में 2 लाख करोड़ रुपये के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से मदद की। हमारे जन-धन-आधार-मोबाइल (जेएएम) ट्रिनिटी ने लोगों के जीवन में एक सकारात्मक बदलाव किया। इसने गरीब से गरीब लोगों, अधिकारहीन और दबे कुचले लोगों की मदद की। उन्होंने कहा कि महामारी के दौरान भी सुधार जारी रहे और इससे हमारी अर्थव्यवस्था में नई गति पैदा हो रही है और दोहरे अंक में वृद्धि होने की उम्मीद है।

किसानों के विरोध पर श्री मोदी ने कहा कि यह सदन, सरकार और हम सभी उन किसानों का सम्मान करते हैं जो कृषि विधेयकों पर अपने विचार व्यक्त कर रहे हैं। यही वजह है कि सरकार के शीर्ष मंत्री उनसे लगातार बात कर रहे हैं। हमारे मन में किसानों के लिए बहुत सम्मान है। कृषि से संबंधित कानून संसद द्वारा पारित किए जाने के बाद कोई भी मंडी बंद नहीं हुई है। इसी तरह एमएसपी बना हुआ है। एमएसपी पर खरीद बनी हुई है। बजट में मंडियों को मजबूत करने का प्रस्ताव दिया गया है। इन तथ्यों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि जो लोग सदन को बाधित कर रहे हैं वे एक सुनियोजित रणनीति के अनुसार ऐसा कर रहे हैं। वे इस बात को पचा नहीं पा रहे हैं कि लोग सच्चाई देख रहे हैं। अपने खेलों से वे लोगों का विश्वास कभी नहीं जीत सकते हैं। उन्होंने इस दलील का जवाब दिया कि सरकार सुधार क्यों ला रही है, जिसके लिए कहा नहीं गया है।

उन्होंने कहा कि यह सब वैकल्पिक है, लेकिन हम ऐसी चीजों के लिए जवाब का इंतजार नहीं कर सकते। समय की मांग के कारण कई प्रगतिशील कानून बनाए गए। वह सोच जो लोगों को सवाल करने या निवेदन करने के लिए मजबूर करे, वह लोकतांत्रिक नहीं हो सकती। हमें जिम्मेदारी लेनी चाहिए और देश की जरूरतों के अनुसार लोगों के कल्याण के लिए काम करते रहना चाहिए। श्री मोदी ने कहा कि हमने देश में बदलाव के लिए काम किया है और अगर इरादा सही है, तो अच्छे नतीजे मिलेंगे।

उन्होंने कहा कि कृषि समाज और संस्कृति का हिस्सा है और हमारे त्योहार और सभी अवसर बुवाई और कटाई के साथ जुड़े हुए हैं। हमारी 80 प्रतिशत से अधिक आबादी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है, छोटे किसानों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। ■

'जम्मू-कश्मीर के साथ पूरा देश खड़ा है'

लोकसभा में केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2021 पर हुई चर्चा का विस्तार से उत्तर दिया। उन्होंने धारा 370 के निरस्त होने के पश्चात जम्मू-कश्मीर में हुए व्यापक विकास कार्य, लोकतांत्रिक संस्थाओं का सुदृढ़ीकरण एवं सफलतापूर्वक हुए चुनाव, वंचित वर्गों को संवैधानिक अधिकार, केंद्र सरकार की योजनाओं को जन-जन तक सुलभ करने जैसे विषयों का विस्तृत विवरण सदन में प्रस्तुत किया। उन्होंने विपक्ष के सभी आशंकाओं को निर्मूल कर आधारहीन प्रश्नों को अपने सारगर्भित तर्कों से खारिज कर दिया। उनके उत्तर के प्रमुख बिंदु निम्नवत हैं:

उपयुक्त समय पर जम्मू-कश्मीर को मिलेगा 'स्टेटहुड'

विपक्ष ने कहा कि यह बिल लाने का मतलब ही है कि अब जम्मू-कश्मीर को 'स्टेटहुड' नहीं मिलेगा। मैंने इसी सदन में कहा है और फिर से कहता हूं कि इस बिल का जम्मू-कश्मीर के स्टेटहुड से कोई लेना-देना नहीं है। उपयुक्त समय पर जम्मू-कश्मीर को स्टेटहुड दिया जाएगा।

- यह कह रहे हैं कि स्टेटहुड ही देना है तो 'एगमुट' (AGMUT) में क्यों लेकर आए? जरा 'एगमुट' कैडर को ही समझ लेते हैं। क्या अरुणाचल राज्य नहीं है, क्या गोवा राज्य नहीं है, मिजोरम राज्य नहीं है? ये सारे राज्य हैं और 'एगमुट' कैडर के अंदर हैं।
- विपक्ष ने कहा कि 2-जी से 4-जी विदेशियों के दबाव में किया है। यह नरेन्द्र मोदी की भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। इस देश के फैसले यह देश करता है। इस देश के फैसले इस देश की संसद करती है। कोई हम पर दबाव नहीं कर सकता।
- कांग्रेस हमें ही 2-जी और 4-जी पूछ रहे हैं। आपने तो मोबाइल ही बंद कर दिए थे और 20 साल तक बंद कर दिए थे। '2-जी', '4-जी' छोड़ो, मोबाइल सर्विस ही बंद कर दी थी। उस वक्त सारे अधिकार कहां गए थे?

कोई बाहर का नहीं, सब भारत मां की संतान

- विपक्ष ने कहा कि लोकल ऑफिसरों का अधिकार चला जाएगा। मुझे भला कोई समझाए, देश भर में आईएएस व आईपीएस ऑफिसर भेजे जाते हैं तो क्या लोकल आफिसरों का अधिकार चला जाता है? जम्मू-कश्मीर में कैसे चला जाएगा?
- जम्मू-कश्मीर में 'चीप पोपुलेरिटी' के लिए यह कहना कि अस्सी प्रतिशत ऑफिसर बाहर के हैं। कोई बाहर का नहीं है, सभी भारत माता की संतान हैं और इसी भारत में जन्मे हुए हैं, बाहर का क्या होता है?

पंचायती राज की शुरुआत

जब देश का संविधान लिखा गया तो डॉ. अम्बेडकर ने कहा था- राजा अब रानी के पेट से पैदा नहीं होंगे, गरीब, दलित और पिछड़ों के वोट से पैदा होंगे, जबकि कश्मीर में अब तक राजा, रानी के पेट से ही पैदा हुए। ये तीन परिवार के लोग ही शासन करते थे, इसीलिए उनको धारा 370 'सूट' करती थी।

- जिला पंचायत चुनाव में सबने भय रहित होकर शांतिपूर्ण तरीके से मतदान किया है। जिन्होंने धारा 370 वापस लाने के आधार पर चुनाव लड़ा था, वे साफ हो गए। उनके साथ कश्मीर की जनता को मैंडेट भी नहीं रहा, वे चुनाव हारे हैं।
- दिसंबर, 2018 में पंचायत के चुनाव में 74 प्रतिशत लोगों ने वोट डाले। कश्मीर के इतिहास में इतना मतदान कभी नहीं हुआ। कुल 4,483 सरपंच निर्वाचन क्षेत्रों में से 3,650 सरपंच निर्वाचित हुए। 35,029 क्षेत्रों में से 33,000 पंच निर्वाचित हुए। अब वहां राजा रानी के पेट से नहीं जन्म लेंगे, मत पत्र से लेंगे।

पंचायतों को अधिकार

- हम चुनाव कराकर नहीं रुके, उनको अधिकार दिया, उनको बजट दिया गया। पहले 5,000 रुपये भी सरपंच को सरकार से मांगने पड़ते थे, ऐसी स्थिति थी। आज हमने उनको स्थिरता प्रदान की है। पंचायतों को सुदृढ़ किया है।
- वहां पर अफसर भेजे जा रहे हैं। एडमिनिस्ट्रेशन के पूरे के पूरे 21 विषयों को पंचायतों के हवाले कर दिया है। उनके बैंक एकाउंट में लगभग 1,500 करोड़ रुपये सीधे डालकर जम्मू-कश्मीर के गांवों के विकास का रास्ता प्रशस्त किया है।

लोकतंत्र का विकेंद्रीकरण

- पहले जम्मू और कश्मीर, जिसकी राजधानी श्रीनगर थी, वहां

पर सारे अधिकार 'सेंट्रलाइज्ड' थे। अफसरान कभी गांव में नहीं जाते थे। हमने सारे राजपत्रित अधिकारियों को आवंटित पंचायत के अंदर दो दिन और एक रात का निवास करना अनिवार्य कर दिया है।

- उन्हें पंचायत को सशक्तिकरण करने का काम दिया गया है। प्रत्यक्ष रूप से वहां यह अभियान दो बार चला है। उसमें से लगभग 20 हजार छोटे-मोटे काम सामने आए हैं। उनमें से 18 हजार कामों के लिए स्वीकृति दे दी गई है।
- 50 हजार परिवारों को स्वास्थ्य बीमा के तहत कवर कर दिया गया है। रोजगार के अंदर लगभग 10 हजार युवाओं को कवर किया गया है और छह हजार नए काम शुरू किए गए।

प्रधानमंत्री विकास पैकेज

- प्रधानमंत्री विकास पैकेज 'पीएम योजना' के तहत 58,627 करोड़ रुपये के परिव्यय की 54 योजनाएं थीं। बाद में उसको 26 परसेंट और बढ़ाया गया।
- 20 परियोजनाएं, जिनमें से सात केंद्र की थीं और 13 संघ राज्य की थीं। ये काफी हद तक पूरी हो चुकी हैं। 54 में से 20 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। बाकी 8 परियोजनाएं मार्च के अंत तक पूरी हो जाएंगी। इस प्रकार हमने 54 में से 28 परियोजनाओं को पूरा करने काम कर दिया है।

जल विद्युत क्षमता का विकास

- जम्मू-कश्मीर राज्य में हाइड्रो पावर की बहुत बड़ी संभावनाएं थीं। वहां लगभग 14,867 मेगावाट की जल विद्युत क्षमता तलाशी गई है। उसमें से 70 सालों में 3,504 मेगावाट का दोहन किया गया है और सिर्फ 17 महीनों में 3,490 मेगावाट का काम हम शुरू कर चुके हैं। आपकी चार पीढ़ियों ने जो काम किया है, हमने डेढ़ साल के अंदर वह काम किया है।
- हमने 'सौभाग्य योजना' के तहत जम्मू-कश्मीर के शत-प्रतिशत लोगों के घरों में बिजली पहुंचाने का लक्ष्य प्राप्त कर लिया है। 3,57,405 ऐसे लोग थे, जिनको 70 सालों से बिजली नहीं मिली थी, हमने इन 17 महीनों में उनको बिजली देने का काम किया है।

पाइप द्वारा घर में जलापूर्ति

- सितंबर, 2022 तक सभी 18.16 लाख परिवारों को पाइप के द्वारा घर में पानी पहुंचाने की योजना पूरी कर ली जाएगी। अभी चार जिलों के शत-प्रतिशत घरों में पानी पहुंचाने का काम हम पूरा कर चुके हैं। वर्ष 2022 तक हम बाकी के जिलों का काम पूरा करेंगे।
- हमने यह तय किया है कि वर्ष 2020-21 के अंदर ही 5,300 किलोमीटर की सड़कों का निर्माण होगा, जिसमें 700 किलोमीटर सड़क कश्मीर में और 4,600 किलोमीटर की सड़क जम्मू में बनेगी। हर गांव को वर्ष 2022 यानी आज़ादी के 75 साल तक सड़क से जोड़ने का काम भी हम जम्मू-कश्मीर में पूरा कर देंगे।

स्वास्थ्य योजना एवं 'सेहत-योजना'

- ये हमेशा आर्टिकल 370 और 35ए जैसे झुनझुने पकड़ाते थे। न बिजली की बात करते थे, न पानी की बात करते थे, न नौकरियों की बात करते थे, न स्वास्थ्य की बात करते थे।
- नरेन्द्र मोदी सरकार के कालखण्ड में और 17 महीनों में हमने जम्मू-कश्मीर में पीएमडीपी के तहत स्वास्थ्य मंत्रालय से 881 करोड़ रुपये की राशि भेज दी है, जिसमें से 754 करोड़ रुपये की राशि व्यय की गई है। 75 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और वर्ष 2022 तक 39 परियोजनाएं पूरी हो जाएंगी।
- प्रधानमंत्री जी जम्मू-कश्मीर के लिए 'सेहत-योजना' को लेकर आए। उसके तहत जम्मू-कश्मीर में कोई करोड़पति हो, रोडपति हो, सड़क पर रहने वाला हो या बड़े से बड़े महल में रहने वाला हो, हर एक को पांच लाख तक की सुविधा आरोग्य के लिए देने का काम किया है।

एम्स एवं मेडिकल कॉलेजों का निर्माण

- हमने एम्स की स्थापना की है। दो एम्स बनाने का काम किया है और लगभग 4 हजार करोड़ रुपये एम्स के लिए भारत सरकार ने यहां पर भेजे हैं।
- 7 नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना हुई है। 70 साल में तीन थे और 17 महीने में 7 कालेज हैं। अनंतनाग, बारामुला, राजौरी, डोडा, कठुवा, हंदवाड़ा और उधमपुर में 7 नए मेडिकल कॉलेजों की शुरुआत हुई है।

केन्द्र सरकार की योजनाओं का क्रियान्वयन

- केन्द्र सरकार ने अलग-अलग लगभग 115 योजनाएं नरेन्द्र मोदी जी के शासन में आने के बाद इस देश के दलित, गरीब, पिछड़े, आदिवासी लोगों के लिए बनाई हैं, मगर उनका वहां पर इम्प्लीमेंटेशन नहीं होता था।
- 'पीएम उज्ज्वला योजना' के तहत 12 लाख 60 हजार 685 माताओं को गैस का सिलेंडर देने का काम हमने पूरा कर दिया है।
- 'उजाला योजना' के तहत 79 लाख 54 हजार लाभार्थियों के घर

में उजाला करने का काम हमने किया है।

- 'स्वच्छ भारत मिशन' के तहत 100 प्रतिशत, शत-प्रतिशत घरों को आज 'ओडीएफ डिक्लेयर' कर दिया गया है। स्वच्छ भारत अभियान का शत-प्रतिशत इम्प्लीमेंटेशन हो गया है।

उद्योगों के लिए भूमि

- जम्मू-कश्मीर के उद्योग के लिए सबसे बड़ी बाधा यह थी कि यदि वहां कोई भी उद्योगपति उद्योग लगाना चाहे तो उसे भूमि नहीं मिल सकती थी। अनुच्छेद 370 हटाई, उसके बाद जमीन के कानून में हमने परिवर्तन किया और अब ऐसी स्थिति बनी है कि जम्मू-कश्मीर के अंदर उद्योग लग पाएं।
- वहां उद्योग को आने के लिए सबसे अच्छा प्रोत्साहन पैकेज नरेन्द्र मोदी जी की अगुवाई में भारत सरकार ने मंजूर किया है।
- हम जो पैकेज योजना लाए हैं, इसके अंदर 28,400 करोड़ रुपये का वर्ष 2037 तक की पूरी योजना रखी गई है। इससे लगभग 4.5 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा।
- जो उद्योग लगाएंगे, जो पूंजी लगाएंगे, जो उनकी वर्किंग कैपिटल होगी, उनको पांच सौ करोड़ रुपये तक के ऋण को 6 प्रतिशत ब्याज पर भारत सरकार देगी।

युवाओं के लिए नौकरी एवं उद्यमों को बढ़ावा

- युवाओं की नौकरियों के लिए त्वरित भर्ती अभियान भी चालू कर दिया है। वर्ग चार में दस हजार रिक्तियां चिह्नित की गई हैं और 8,575 रिक्तियां सेवा चयन बोर्ड के माध्यम से विज्ञापित कर दी गई हैं।
- सारी नौकरियों को सेवा चयन बोर्ड द्वारा ही विज्ञापन देकर भरने का निर्णय किया है। जो क्लास थ्री और क्लास फोर है, उसमें मेरिट के आधार पर ही नौकरी मिलेगी, कोई इंटरव्यू नहीं होगा।

डोमिसाइल सर्टिफिकेट से सालों का अन्याय समाप्त

- अधिवास प्रमाण पत्र, डोमिसाइल सर्टिफिकेट, इसके लिए भी बहुत हो-हल्ला हुआ था कि नागरिकता चली जाएगी, बहुत लोग बाहर से यहां घुस जाएंगे। अब तक 30.44 लाख व्यक्ति और परिवारों को प्रमाण पत्र दे दिए गए हैं। कहीं से कोई कम्प्लेन नहीं है और न कोई लाइन लगी है।
- मैं विशेष उल्लेख करना चाहता हूं कि पाकिस्तान से आए हुए रिफ्यूजी, पश्चिम पाकिस्तान के रिफ्यूजी, पाकिस्तान अधिग्रहित कश्मीर से आए हुए रिफ्यूजी और 2,642 वाल्मीकि परिवार, 792 गोरखा परिवार एवं 43 अन्य परिवार को भी डोमिसाइल सर्टिफिकेट देकर उनके साथ सालों से जो अन्याय हुआ है, हमने उसको समाप्त कर दिया।

भ्रष्टाचार पर रोक, विस्थापितों/वंचितों को आरक्षण

- 'रोशनी' जैसे कानून को रद्द कर दिया गया है। भ्रष्टाचार पर कार्रवाई हो रही है। ये पूछ रहे हैं न कि धारा 370 क्यों हटी है, क्योंकि वहां पर रिज़र्वेशन नहीं था, वहां महिलाओं को अधिकार नहीं था, बाल्मिकी लोगों को अधिकार नहीं था, ट्राइबल्स को अधिकार नहीं था, ओबीसी को अधिकार नहीं था, भ्रष्टाचार पर रोक नहीं थी, देश के ढेर सारे अच्छे कानून वहां लागू किए गए।
- पाक अधिकृत जम्मू-कश्मीर के लगभग 26,319 विस्थापित, युद्ध के समय आए हुए 5,300 विस्थापित, छम्ब के 10,065 विस्थापित, पश्चिमी पाकिस्तान के 5,764 विस्थापित, विस्थापित कश्मीरी पंडितों की संख्या 44 हजार है।
- यही नरेन्द्र मोदी जी के शासन में कश्मीरी पंडितों के हर परिवार को, जिनके पास राहत-कार्ड है, उनको 13 हजार रुपए प्रति माह सरकार देती है।
- हम तीन हजार लोगों को नौकरियां दे चुके हैं। हमने छह हजार लोगों को घर बनाने की योजना के लिए जमीन भी आवंटित कर दी है और बजट का आवंटन भी हो गया है।

लद्दाख अब त्वरित विकास की राह पर

- हम कितना भी भेजें, वह लद्दाख पहुंचता ही नहीं था। 2014 से 2019 के बीच में 4,164 करोड़ रुपए और 3 मार्च, 2019 से धारा 370 निरस्त होने तक 3,518 करोड़ रुपए हम भेज चुके हैं। जो पांच साल में मिलता था, वह लद्दाख वालों को 17 महीने में मिला है।
- दो नए डिग्री कॉलेज, नए एयरपोर्ट टर्मिनल और जिला अस्पताल के अपग्रेडेशन का काम शुरू हो गया है।
- पांच नए टूरिस्ट सर्किट, पांच नए ट्रैकिंग-रूट्स, सुदूर क्षेत्रों में सब्सिडाइज्ड हैलिकॉप्टर्स की व्यवस्था शुरू।
- लगभग 7,500 MW की क्षमता वाला देश का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा यंत्र लगाने की कार्यवाही भी शुरू।
- लद्दाख में एक सेंट्रल यूनिवर्सिटी का अनुमोदन।
- सभी राज्यों का जैसे गुजरात भवन, यूपी भवन, बिहार सदन होता है, लद्दाख को भी 70 वर्षों के बाद अपना भवन और यहां पर अपना सदन मिला है।
- भारत सरकार की कई योजनाएं वहां थीं, उनमें लगभग 80 प्रतिशत कवरेज कर दिया गया है।
- रोड कनेक्टिविटी में सुधार के लिए 11 पुलों और 578 किलोमीटर रोड्स का काम हाथ में लिया गया है। ■

भारतीयता की रक्षा के लिए महाराजा सुहेलदेव के योगदान की अनदेखी की गई: नरेन्द्र मोदी

महाराजा सुहेलदेव की पाठ्यपुस्तकों में अनदेखी के बावजूद उन्हें अवध, तराई और पूर्वांचल के लोकगीतों ने लोगों के दिलों में जीवित रखा है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 16 फरवरी को उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से महाराजा सुहेलदेव स्मारक और चित्तौरा झील के विकास कार्यों की आधारशिला रखी। श्री मोदी ने महाराजा सुहेलदेव के नाम पर एक मेडिकल कॉलेज भवन का भी उद्घाटन किया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का इतिहास केवल औपनिवेशिक शक्तियों या औपनिवेशिक मानसिकता वाले लोगों द्वारा लिखा गया इतिहास ही नहीं है, अपितु भारत के इतिहास को आम लोगों ने अपनी लोककथाओं में भी पोषित किया है और इसे पीढ़ियों ने आगे बढ़ाया है।

उन्होंने इस तथ्य पर अफसोस जताते हुए कहा कि जिन लोगों ने भारत और भारतीयता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया, उन्हें उचित महत्व नहीं दिया गया है। श्री मोदी ने कहा कि अपनी स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में प्रवेश करने के साथ भारतीय इतिहास लेखकों द्वारा भारतीय इतिहास निर्माताओं के विरुद्ध की गई अनियमितताओं और अन्याय को अब ठीक किया जा रहा है और इस दिशा में उनके योगदान को स्मरण करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

> **अपनी स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में प्रवेश करने के साथ भारतीय इतिहास लेखकों द्वारा भारतीय इतिहास निर्माताओं के विरुद्ध की गई अनियमितताओं और अन्याय को अब ठीक किया जा रहा है**

श्री मोदी ने लाल किले से लेकर अंडमान निकोबार तक नेताजी सुभाष चंद्र, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में सरदार पटेल और पंच तीर्थ के माध्यम से बाबा साहेब अंबेडकर के योगदान को स्मरण करने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ऐसे अनेक व्यक्तित्व हैं जिन्हें विभिन्न कारणों से मान्यता नहीं मिली। श्री मोदी ने पूछा कि चौरी-चौरा के बहादुरों के साथ क्या हुआ था, क्या हम इसे भूल सकते हैं?

श्री मोदी ने कहा कि भारतीयता की रक्षा के लिए महाराजा सुहेलदेव के योगदान की भी अनदेखी की गई। उन्होंने कहा कि महाराजा सुहेलदेव की पाठ्यपुस्तकों में अनदेखी के बावजूद उन्हें अवध, तराई और पूर्वांचल के लोकगीतों ने लोगों के दिलों में जीवित रखा है। श्री मोदी ने एक संवेदनशील और विकासोन्मुख शासक के रूप में उनके योगदान को याद किया।

उन्होंने उम्मीद जताई कि महाराजा सुहेलदेव के लिए यह स्मारक आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा प्रदान करेगा। श्री मोदी ने कहा कि मेडिकल कॉलेज की स्थापना और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के साथ इस आकांक्षी जिले और आस-पास के क्षेत्रों में लोगों के लिए जीवन को बेहतर बनाया जा सकेगा। प्रधानमंत्री ने दो वर्ष पहले महाराजा सुहेलदेव की स्मृति में एक डाक टिकट भी जारी किया था।

श्री मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश पर्यटन और तीर्थयात्रा दोनों क्षेत्रों में भी समृद्ध है और प्रदेश में इसकी संभावनाएं बहुत अधिक हैं। उत्तर प्रदेश में पर्यटन के विकास के लिए अयोध्या, चित्रकूट, मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन, कुशीनगर, श्रावस्ती आदि जैसे भगवान राम, श्री कृष्ण और बुद्ध के जीवन से संबंधित स्थलों पर रामायण सर्किट, आध्यात्मिक सर्किट, बौद्ध सर्किट विकसित किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इन प्रयासों के परिणाम दिखाई देने लगे हैं और अब उत्तर प्रदेश अन्य राज्यों से पर्यटकों की अधिकतम संख्या को आकर्षित करता है। विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के मामले में भी उत्तर प्रदेश देश के शीर्ष तीन राज्यों में शामिल है। श्री मोदी ने कहा कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे, बलिया लिंक एक्सप्रेसवे जैसी आधुनिक और चौड़ी सड़कें पूरे उत्तर प्रदेश में बनाई जा रही हैं। ■

गरीबों को हक दिलाने के लिए बंगाल में परिवर्तन जरूरी है: अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के अपने दो दिवसीय दौरे पर 18 फरवरी 2021 को दक्षिण 24 परगना में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित किया और कहा कि हम बंगाल में बदलाव करने के लिए आए हैं और हमारी लड़ाई तृणमूल कांग्रेस के सिंडिकेट से है। इस बार विधानसभा चुनाव के बाद हम तृणमूल कांग्रेस को उखाड़ फेकेंगे और विकास के प्रति समर्पित भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनायेंगे। इससे पूर्व, उन्होंने काकद्वीप से भाजपा के राज्यव्यापी पांचवें और अंतिम परिवर्तन यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

हमारा लक्ष्य सिर्फ सत्ता परिवर्तन नहीं है बल्कि हमारी लड़ाई सोनार बांग्ला बनाने की है

जनसभा संबोधन के बाद श्री शाह ने नारायणपुर गांव में शरणार्थी परिवार सुब्रत विश्वास के घर दोपहर का भोजन किया। तत्पश्चात्, काली मंदिर से एसबीआई ब्रांच, काकद्वीप, दक्षिण 24 परगना तक एक भव्य रोड शो किया जिसमें अपार भीड़ उमड़ी। इसके बाद श्री शाह कोलकाता स्थित अरबिंदो भवन भी गए।

उन्होंने नामखाना के इंदिरा मैदान से पांचवीं परिवर्तन यात्रा की शुरुआत करते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य सिर्फ सत्ता परिवर्तन नहीं है बल्कि हमारी लड़ाई सोनार बांग्ला बनाने की है। ये परिवर्तन यात्रा पीएम मोदी का संदेश लेकर आ रही है। ये यात्रा टीएमसी को उखाड़ फेंकने के लिए है। गरीबों को हक दिलाने के लिए बंगाल में परिवर्तन जरूरी है। पश्चिम बंगाल के आदिवासी परिवार के लोगों के जीवन में परिवर्तन हो इसलिए ये परिवर्तन यात्रा लाये हैं। किसानों को फसल सही दाम मिले, कोई बिचौलिया न हो, उसके लिए ये परिवर्तन यात्रा है। उन्होंने टीएमसी के आतंक पर हमला बोलते हुए कहा कि टीएमसी के राज में राजनीतिक हिंसा को बढ़ावा दिया जा रहा है। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि ममता दीदी तृणमूल के गुंडों ने हमारे 130 कार्यकर्ताओं को मारा है, उनकी शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी। हम टीएमसी के गुंडों को पाताल से भी ढूंढ़ निकालेंगे। ममता दीदी सोचती हैं कि किसी को मार देने से भाजपा रुक जाएगी लेकिन मैं ममता जी को कहना चाहता हूं कि बंगाल की धरती पर ताकत के साथ कमल खिलने वाला है। जो गुंडे ममता दीदी की शह पर आज छिपकर बैठे हैं, उनको मैं कहना चाहता हूं कि जहां छिपना है छिप जाओ। भाजपा की सरकार बनने के बाद पाताल में से भी ढूंढ़कर लाएंगे और जेल में डालेंगे। टीएमसी सरकार ने बंगाल में घुसपैठियों को जगह दी, हमारी सरकार एक-एक घुसपैठिये को बाहर निकलेगी।

उन्होंने कहा कि ममता सरकार आम जनता को नजरंदाज कर सिर्फ भतीजा बढ़ाओ अभियान को चला रही है। भतीजे के कल्याण के अलावा टीएमसी के मन में कोई अभिलाषा नहीं है। जबकी नरेन्द्र मोदी जी का नारा है, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास। बंगाल के विकास के लिए मोदी जी ने ढेर सारे पैसे भेजे। मगर ये पैसे दीदी के सिंडिकेट की भेंट चढ़ गए। अम्फान तूफान के बाद केंद्र सरकार ने जो पैसा भेजा, उसे टीएमसी के गुंडे खा गए। हमारी सरकार बनेगी तो हम इसकी जांच करेंगे। ■

'कोविड महामारी से हमें सहयोग की मूल्यवान भावना प्राप्त हुई'

प्रधानमंत्री ने डॉक्टरों और नर्सों के लिए विशेष वीजा योजना और क्षेत्रीय एयर एम्बुलेंस समझौते का सुझाव दिया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 18 फरवरी को दस पड़ोसी देशों–अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, मालद्वीप, मॉरीशस, नेपाल, पाकिस्तान, सेशल्स, श्रीलंका के साथ 'कोविड-19 मैनेजमेंटः एक्सपीरिएन्स, गुड प्रैक्टिसेज एंड वे फॉर्वर्ड' विषय पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित किया। इसमें स्वास्थ्य क्षेत्र की हस्तियों, विशेषज्ञों और दस पड़ोसी देशों के अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यशाला में भारत के अधिकारी और विशेषज्ञ भी शामिल हुए।

श्री मोदी ने महामारी के दौरान विभिन्न देशों की स्वास्थ्य प्रणालियों के बीच सहयोग और समन्वित तरीकों से घनी आबादी वाले क्षेत्रों में चुनौती से निपटने की प्रशंसा की। उन्होंने महामारी से लड़ने की तात्कालिक लागत को पूरा करने, संसाधनों (दवाओं, पीपीई तथा जांच उपकरणों) को साथ साझा करने के लिए बनाए गए कोविड-19 इमर्जेंसी रिस्पॉन्स फंड का स्मरण दिलाया। श्री मोदी ने परीक्षण, संक्रमण नियंत्रण तथा चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन में एक-दूसरे के श्रेष्ठ व्यवहारों का अनुभव करने तथा उनसे सीखने की भी चर्चा की।

उन्होंने कहा कि इस महामारी से हमें सहयोग की मूल्यवान भावना प्राप्त हुई है। अपने खुलेपन और संकल्प के माध्यम से हमने विश्व में सबसे कम मृत्यु दर सुनिश्चित करने का प्रबंधन किया है। इसकी प्रशंसा की जानी चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे क्षेत्र और विश्व की आशाएं टीकों की त्वरित तैनाती पर टिकी हैं। इसमें भी हमें इसी तरह के सहयोग की भावना बनाए रखनी है।

देशों से महत्वाकांक्षा को ऊपर उठाने का आह्वान करते हुए श्री मोदी ने डॉक्टरों और नर्सों के लिए विशेष वीजा बनाने का सुझाव दिया, ताकि आपात स्थिति में डॉक्टर और नर्स तुरंत क्षेत्र में जा सकें। उन्होंने पूछा कि क्या हमारे नागर विमानन मंत्रालय चिकित्सा आपात स्थिति के लिए क्षेत्रीय एयर एम्बुलेंस समझौते के लिए समन्वय कर सकते हैं?

प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि हम अपनी आबादी में कोविड-19 टीके के प्रभाव के बारे में डेटा मिला सकते हैं, संकलित कर सकते हैं और डेटा का अध्ययन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य की महामारियों की रोकथाम के लिए टेक्नोलॉजी सहायक महामारी विज्ञान को प्रोत्साहित करने के लिए क्षेत्रीय नेटवर्क तैयार कर सकते हैं।

श्री मोदी ने सफल सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों और योजनाओं को साझा करने का सुझाव दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि क्षेत्र के लिए भारत की आयुष्मान भारत और जन-आरोग्य योजनाएं अध्ययन के लिए उपयोगी हो सकती हैं।

श्री मोदी ने कहा कि यदि 21वीं सदी को एशिया की सदी बनना है तो यह दक्षिण एशिया तथा हिंद महासागर के द्वीपियों देशों के बीच सहयोग और एकीकरण के बिना नहीं हो सकता। आपने महामारी के दौरान क्षेत्रीय एकता की जो भावना दिखायी है उससे यह साबित हो गया है कि एकीकरण संभव है। ■

वीएल-एसआरएसएएम मिसाइल प्रणाली का सफल प्रक्षेपण

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल (वीएल-एसआरएसएएम) के दो सफल प्रक्षेपण किए। ओडिशा तट के चांदीपुर एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) से एक स्थिर ऊर्ध्वाधर लॉन्चर से 22 फरवरी को यह प्रक्षेपण किया गया।

वीएल-एसआरएसएएम को समुद्र-स्किमिंग लक्ष्यों सहित नजदीकी सीमाओं पर विभिन्न हवाई खतरों को बेअसर करने के लिए भारतीय नौसेना के लिए डीआरडीओ द्वारा स्वदेशी तौर पर डिजाइन और विकसित किया गया है। वर्तमान प्रक्षेपण इस मिसाइल के पहले प्रक्षेपण अभियान के तहत ऊर्ध्वाधर प्रक्षेपण क्षमता के प्रदर्शन के लिए किए गए हैं।

दोनों प्रक्षेपण अवसर पर मिसाइल पिनपॉइंट सटीकता के साथ सिम्युलेटेड लक्ष्यों को भेदने में सफल रही। मिसाइलों का परीक्षण न्यूनतम और अधिकतम रेंज के लिए किया गया था। परीक्षण के दौरान वीएल-एसआरएसएएम के साथ हथियार नियंत्रण प्रणाली (डब्ल्यूसीएस) को तैनात किया गया था।

प्रक्षेपण की निगरानी इस प्रणाली के डिजाइन और विकास में शामिल डीआरडीएल, आरसीआई, हैदराबाद और आरएंडडी इंजीनियर्स, पुणे जैसी डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं के वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा की गई।

परीक्षण प्रक्षेपण के दौरान आईटीआर, चांदीपुर द्वारा तैनात रडार, ईओटीएस और टेलीमेट्री सिस्टम जैसे विभिन्न रेंज उपकरणों द्वारा एकत्रित किए गए उड़ान डेटा का उपयोग करके उड़ान पथ और व्हीकल के प्रदर्शन मापदंडों की निगरानी की गई।

वर्तमान परीक्षण ने हथियार प्रणाली की प्रभावशीलता को साबित कर दिया है। हालांकि, भारतीय नौसेना के जहाजों पर इसकी तैनाती से पहले कुछ और परीक्षण किए जाएंगे। ■

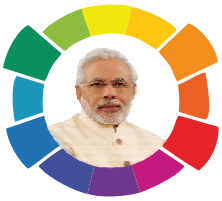

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बने

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

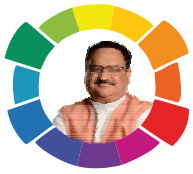

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

चेन्नई (तमिलनाडु) में एक जनसभा के दौरान लोगों का अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व अन्य नेतागण

कोच्चि (केरल) में एक उद्घाटन व शिलान्यास समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और साथ में केरल के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान व विदेश राज्य मंत्री श्री वी. मुरलीधरन

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तमिलनाडु में तेल व गैस क्षेत्र की प्रमुख परियोजनाओं के उद्घाटन अवसर पर एक बैठक को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में नीति आयोग की 6वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से असम में कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विश्वभारती विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश

अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध

लॉग इन करें:

www.kamalsandesh.org

राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh

@KamalSandesh

kamal.sandesh

KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2018-20

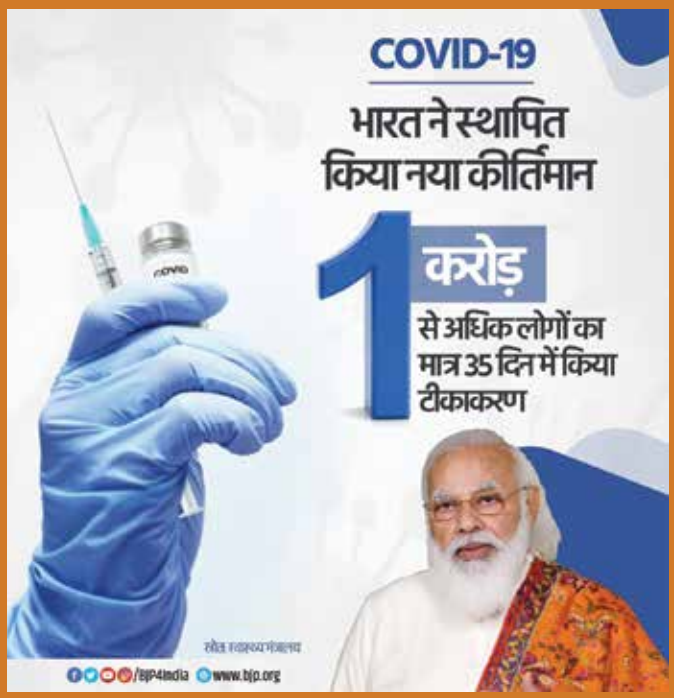

छायाकार: अजय कुमार सिंह